संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 238
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
शुक्रवार 27 नवम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

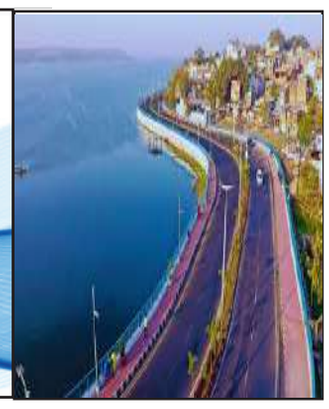

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

केंद्र पर बरसे खरगे: एनीमिया-कुपोषण के आंकड़ों पर जवाब देही मांगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को देश में कुपोषण और एनीमिया की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया कि जब देश की लाखों महिलाएं और बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हैं, तो भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) का लाभ कैसे उठा सकता है? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के बाद भी जवाबदेही तय नहीं होने पर सवाल उठाए।अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मोदी सरकार की अपनी आईसीएमआर-संपदा रिपोर्ट के मुताबिक, प्रजनन आयु वर्ग की 55.9 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। किशोरियों और किशोरों में से लगभग दो-तिहाई में विटामिन बी12 की कमी है। एक से चार साल की उम्र के 42 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गुजरात में प्रजनन आयु



वर्ग की 66 प्रतिशत महिलाएं और छोटे बच्चों में से 57 प्रतिशत एनीमिया से प्रभावित हैं।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार का एनीमिया के हल्के मामलों पर जोर देने से इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि प्रजनन आयु वर्ग की लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं मध्यम या गंभीर एनीमिया से पीड़ित हैं। खरगे के मुताबिक, नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) से भी पता चलता है कि लगभग एक-तिहाई बच्चे कम वजन के हैं और हर पांच में से एक बच्चा गंभीर कुपोषण से प्रभावित है। पोषण योजनाओं के बजट और खर्च पर भी उठाए सवाल खरगे ने सरकार के वित्तीय रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण 2.0 और इनसे पहले की योजनाओं के तहत छह वित्तीय वर्षों में 1.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक जारी किए गए। वहीं, केवल चार वर्षों में पोषण 2.0 के तहत जारी और इस्तेमाल की गई राशि के बीच 2,500 करोड़ रुपये से अधिक का अंतर रहा। उन्होंने कहा कि मूल पोषण अभियान के तहत जारी की गई लगभग 44 प्रतिशत राशि का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बजट में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का हिस्सा भी लगभग आधा रह गया है। यह 2015-16 में 0.96 प्रतिशत था, जो 2025-26 में घटकर 0.50 प्रतिशत रह गया। खरगे ने सवाल किया कि मोदी सरकार के 12 साल, कई पोषण योजनाओं, फोर्टिफाइड चावल और आयरन सप्लीमेंट कार्यक्रमों के बावजूद जवाबदेही कहां है?

बांग्लादेश बॉर्डर से 20kmm दूर असम में बनेगा एयरपोट

सालाना 10 लाख यात्रियों की क्षमता; 2014 करोड़ रुपए मंजूर, कैबिनेट बैठक में फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को बैठक हुई। बैठक में पांच बड़े फैसले लिए गए। असम के सिलचर में नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनेगा। इसके लिए सरकार ने 2014 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। यह एयरपोर्ट बांग्लादेश बॉर्डर से करीब 20 किमी दूर है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश में सड़कें, पुल और सुरंगें बनाने का काम बढ़ने से बुलडोजर, क्रेन और बड़ी मशीनों की मांग बढ़ रही है। अभी भारत में इनकी आधी से ज्यादा जरूरत विदेशों से पूरी होती है। सरकार अब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च कर अगले 8 साल में इन मशीनों और इनके पार्ट्स को देश में ही बनाने को बढ़ावा देगी। इसके लिए JCB जैसी कंपनियों के साथ छोटे पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों को भी



आर्थिक मदद मिलेगी। मशीनों की जांच के लिए अलग सेंटर बनाया जाएगा, जिसके लिए ARAI को 375 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। वैष्णव के मुताबिक, सुरंग खोदने जैसी एक बड़ी मशीन बनाने में 500-600 कंपनियों के पार्ट्स लग सकते हैं। दूसरा फैसला: तमिलनाडु में कामराजार बंदरगाह पर दूसरा कंटेनर टर्मिनल बनेगा तमिलनाडु के कामराजार बंदरगाह पर दूसरा कंटेनर टर्मिनल बनाने की मंजूरी मिली है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत बनाया जाएगा। परियोजना पर करीब 4,288.26 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

केंद्रीय कैबिनेट ने असम के सिलचर के डोलू में नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण को मंजूरी दी है। परियोजना पर करीब 2,014 करोड़ रुपए खर्च होंगे।केंद्रीय कैबिनेट ने 25 नवंबर 2026 को डाक संचालन योजना को 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके लिए 1,141 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है।केंद्रीय कैबिनेट ने 25 नवंबर 2026 को डाक विभाग की एस्टेट मैनेजमेंट स्कीम को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के लिए ₹1,491 करोड़ मंजूर किए हैं। इसके तहत देशभर में डाक विभाग के भवनों और सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा।



18 नवंबर को पीएम ने मंत्रियों के कामकाज का रिव्यू किया था 18 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रीपरिषद की बैठक भारत मंडपम में हुई थी। PTI के मुताबिक, गृह और वित्त मंत्रालय समेत 11 मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने इन मुद्दों पर प्रेजेंटेशन दिया था। बैठक में गरीबी कम करने के लिए सरकार की योजनाओं की तारीफ की गई थी।

सीजेपी नेता सौरव दास ने विदेश जाने से रोकने के फैसले को हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली(एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास ने विदेश जाने से रोकने के केंद्र सरकार के कदम के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने तुरंत सुनवाई की मांग की। सौरव दास के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ के समक्ष यह मामला रखा और तत्काल सुनवाई की मांग की। हालांकि, कोर्ट ने आज इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी। 23 नवंबर को सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने से रोक दिया गया था। सौरव दास ने आरोप लगाया कि



उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक दिया गया।सौरव दास के अनुसार, उन्हें लंदन जाने वाली उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया, जहां उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करना था। उन्होंने इस कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए इसे अनुचित बताया।

'राधे-राधे तो शुरूआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय'

गठबंधन पर योगी का तीखा हमला

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर एक साथ तीखा हमला बोलते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गरमा दिया है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो नावों की सवारी करने वाले डूबते हैं। अखिलेश को अयोध्या जाने से पहले रामभक्तों और हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए।मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि राधे-राधे तो शुरूआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समय आ रहा है। मथुरा में राधे-राधे, अयोध्या में जय श्रीराम और काशी में हर-हर महादेव कहना आस्था के अनुरूप है, जबकि राम नाम सत्य विदाई के समय कहा जाता है। मुख्यमंत्री बुधवार को एक टीवी मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार में बोल रहे थे।



> अयोध्या जाने से पहले अखिलेश यादव माफी मांगें। 'पीडीए' का मतलब 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी'। हमने प्रदेश को कट्टा-बम से ब्रह्मोस मिसाइल तक पहुंचाया।
>
> सीएम योगी

योगी ने सपा की राजनीति को परिवार तक सीमित बताते हुए उसके पीडीए की नई व्याख्या की। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। सपा की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जबकि भाजपा का मतदाता हर वह राष्ट्रवादी नागरिक है, जो संविधान और देश की विरासत का सम्मान करता है। उनकी किसी से व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है, लेकिन देश और समाज के सामने चुनौती आने पर उसका सामना करना संन्यासी का दायित्व है।

दुनिया की कोई ताकत भारत की तरक्की नहीं चाहती

भागवत बोले- वैश्विक शक्तियां दबदबा चाहती हैं; युवा देश को महान बनाएंगे उन्हें झूठ से नफरत

नई दिल्ली(एजेंसी)। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार (25 नवंबर) को कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत की तरक्की नहीं चाहती। वैश्विक शक्तियां अपना दबदबा कायम रखना चाहती हैं। वे दूसरों को दबाव में रखने और जो ताकतवर है, वही बचेगा के सिद्धांत में भरोसा करती हैं। भागवत महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पांचवें पद्मा फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। तीन दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन ने किया है। उन्होंने कहा कि भारत सभी की मदद करना चाहता है। वह उन देशों की भी मदद करता है, जो उससे नफरत करते हैं। RSS प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी गुलामी के



असर से मुक्त है। उन्होंने कहा कि अगर कोई ईमानदारी से बोलता है, तो युवा उसके साथ खड़े होने को तैयार रहते हैं।भागवत ने कहा, युवा झूठ से नफरत करते हैं और अपने देश को महान बनाना चाहते हैं। विकसित भारत का फायदा युवाओं को होगा कार्यक्रम में भागवत के साथ मंच साझा करने वाले पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी

राहुल की संपत्ति की CBI-ED से जांच का आदेश रद्द

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राहुल गांधी की जांच का आदेश रद्द कर दिया। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने CBI और ED को दिया था।CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामला फिर हाईकोर्ट भेज दिया। हाईकोर्ट अब राहुल गांधी को पक्ष बनाएगा और उनका पक्ष सुनने के बाद नया आदेश देगा। मई में हाईकोर्ट ने BJP कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की शिकायत पर CBI औरED को आरोपों की जांच के निर्देश दिए थे। शिशिर ने राहुल

गांधी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि याचिकाकर्ता का इस मामले में कोई अधिकार नहीं है और उसने अपनी पहचान या योग्यता भी नहीं बताई है।राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में यह भी पूछा था कि गोपनीय प्रक्रियाओं की जानकारी अखबारों में कैसे प्रकाशित हुई। 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ आदेश देने से पहले उनका पक्ष नहीं सुना। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्यवाही टालने का आदेश दिया था। उस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि राहुल गांधी को सुनवाई का मौका दिए बिना हाईकोर्ट ने मामले में आदेश क्यों दिए।

ब्रजेश पाठक बोले- तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएंगे

लखनऊ(एजेंसी)। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कई वर्गों को साधने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के राजभवन कॉलोनी स्थित सरकारी आवास पर सामाजिक संपर्क बैठक हुई।इसमें धारकर, सोनकर, धानुक और स्वर्ण समाज समेत कई वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हुए।



बैठक का स्लोगन ह्यअनेक समाज, एक परिवार रखा गया। भाजपा ने सभी समाजों को एक मंच पर लाकर संवाद और समर्थन जुटाने की कोशिश की। बैठक की अध्यक्षता डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने की। पूर्व सांसद विनोद सोनकर समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश में तीसरी बार भी यूपी में प्रचंड बहुमत से जीतकर सरकार बनाएंगे। ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी 25 करोड़ लोगों का एक परिवार है। पिछले 10 वर्षों में प्रदेश ने विकास की नई कहानी लिखी है। कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ सभी समाजों को साथ लेकर चल रही है।

धीरेंद्र शास्त्री ने योगी से की मुलाकात:CM आवास पहुंचे

मां के निधन पर दुख जताया; यूपी में होनी है 5 कथाएं

लखनऊ(एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को योगी से मुलाकात की। वह सीएम आवास पहुंचे और योगी की मां के निधन पर शोक जताया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई।धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा- योगीजी की मां के निधन पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे हैं। धन्य है ऐसी मां जिसका सपूत राम और राष्ट्र दोनों को साथ लेकर चल रहे हैं।अखिलेश के कथा वो कराते हैं, जिनके पास कुछ बताने को नहीं होता? इस सवाल पर उन्होंने कहा- हम राजनीतिक बातों का जवाब नहीं देते हैं, हम हिंदुओं के लिए, सनातन के लिए काम कर रहे हैं। योगी की मां सावित्री देवी का निधन 20 नवंबर को 91 साल की आयु में उत्तराखंड के पंचूर गांव में हुआ था। अगले दिन ऋषिकेश में उनका अंतिम संस्कार हुआ।धीरेंद्र शास्त्री हाल ही में श्रीकृष्ण को 'टेढ़ा' कहने पर विवादों में आए थे। हालांकि, बाद में उन्होंने इस पर माफी मांग ली थी। हालांकि, इस टिप्पणी को लेकर योग गुरु स्वामी रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री के बीच बयानबाजी भी सुर्खियों में रही। स्वामी रामदेव ने सनातन परंपरा, अंधविश्वास और देवी-देवताओं की तुलना को लेकर कड़े शब्दों में नाराजगी जताई थी।हालांकि, दोनों संतों ने अब



विवाद को आगे न बढ़ाने का रुख अपनाया है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वह संतों पर पलटवार नहीं करते और स्वामी रामदेव को वरिष्ठ व अभिभावक तुल्य मानते हैं। उनके मुताबिक, आलोचना भी आशीर्वाद के समान है। वहीं, स्वामी रामदेव ने भी माना कि उन्होंने आवेश में कठोर शब्द कहे थे, लेकिन बातचीत के बाद मामला सुलझ चुका है।रविवार को जमशेदपुर में योगगुरु बाबा रामदेव ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को पाखंडी, ढोंगी और धूर्तकहा था। उन्होंने भगवान कृष्ण को टेढ़े-मेढ़े कहने पर भी आपत्ति जताई।गुस्से में बाबा रामदेव ने कहा, कुछ कथाकार धर्म और भूत-प्रेत बाधा के नाम पर लोगों को डराकर उनका शोषण करते हैं। लोग वेद, पुराण नहीं पढ़ते, न ही संविधान और लोकतंत्र की समझ रखते हैं। इसके बावजूद खुद को सनातनी बताकर हिंदू धर्म बचाने की बात करते हैं। उन्होंने कहा, "अरे तू खुद ही को बचा ले बावले, पाखंडी कहीं का, धूर्त!" इसके पहले प्रतापगढ़ में रामदेव ने 6 दिन पहले ही धीरेंद्र शास्त्री को भगवान का अंशावतार बताया था। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतापगढ़ में बाहुबली विधायक राजा भैया के यहां श्रीराम कथा कही थी, इसमें बाबा रामदेव पहुंचे थे। अब जानिए धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान कृष्ण के बारे में क्या कहा थादरअसल, भगवान श्रीकृष्ण को धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने टेढ़ा बताया था। उन्होंने भगवान श्रीराम की तुलना श्रीकृष्ण से करते हुए कहा- 'तुम अपने वाले ठाकुरजी की एक भी फोटो देख लो। खड़े भी होते हैं, तो तीन जगह से टेढ़े। पांव के ऊपर पांव, कहीं कमर लचकाएं और टेढ़ी गर्दन करके बंसी बजाते हैं। हमारे वाले तो खड़े भी होते हैं, एकदम सीधे। हमारे वाले का नाम भी सीधा।

राजस्थान-MP में शीतलहर, 15 शहरों में पारा 10°C से

यूपी-बिहार में अगले 3 दिन में सर्दी बढ़ेगी; जानें देशभर का मौसम और हेल्थ टिप

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। श्रीनगर में मंगलवार को -1.6°C तापमान के साथ सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। उत्तराखंड के गंगोत्री में तापमान -11°C और कश्मीर के पहलगाम में -4.6°C पहुंच गया है। इधर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में शीतलहर शुरू हो गई है। दोनों राज्यों के 15 शहरों में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10°C से नीचे रहा। राजस्थान का फतेहपुर 4.3°Cऔर मध्य प्रदेश का गिरवर 8.4°C के साथ सबसे ठंडे रहे। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार में दो-तीन दिन में पारा गिरेगा। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली और चंडीगढ़ में अगले दो-तीन दिन घने कोहरे का यलो अलर्ट। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरलम में दो दिन तेज हवा के साथ बारिश का यलो अलर्ट।मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश,



मध्य प्रदेश और बिहार में दो-तीन दिन में पारा गिरेगा।पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली और चंडीगढ़ में अगले दो-तीन दिन घने कोहरे का यलो अलर्ट। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरलम में दो दिन तेज हवा के साथ बारिश का यलो अलर्ट।राजस्थान में उत्तरी हवाओं के तेज होने से सर्दी बढ़ गई है। मंगलवार को अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, टोंक, पिलानी और सीकर समेत कई शहरों में तापमान 1 से 2 डिग्री तक गिरा। नागौर, सीकर, अलवर और अजमेर में सुबह-शाम हल्की शीतलहर का असर रहा। बाड़मेर में दिन का तापमान 31°C से ऊपर दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर थमते ही ठंड बढ़ गई है। पहाड़ों पर बर्फबारी और उत्तर से आ रही हवाओं के कारण शाजापुर के गिरवर में न्यूनतम तापमान 8.4°C दर्ज किया गया।

पुलिस ने ई-रिक्शा यात्री से लूटपाट मामले में दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने न्यू अशोक नगर थाना इलाके में चाकू की नोक पर लूटपाट के मामले में दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि आरोपियों ने शक से बचने और आसानी से अपराध को अंजाम देने के लिए एक ऐसे ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया, जिसमें उनके परिवार के सदस्य भी सवार थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 14 नवंबर को रात करीब 11 बजे न्यू अशोक नगर थाने को शिकायतकर्ता राजेश कुमार की एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि एक ई-रिक्शा चालक ने चाकू की नोक पर उनसे पांच हजार रुपए लूट लिए हैं। उस समय ई-रिक्शा में दो महिलाएं और दो बच्चे भी सवार थे। जांच के दौरान पता चला कि उसी रात करीब 10.30 बजे, शिकायतकर्ता नोएडा टी-पॉइंट से आनंद विहार बस टर्मिनल जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठा था। ई-रिक्शा में पहले से ही दो महिलाएं और दो बच्चे सवार थे। रास्ते में चालक ने अपनी पत्नी और बच्चों को घर छोड़ने के बहाने ई-रिक्शा को धर्मशिला अस्पताल की तरफमोड़ दिया। इसके बाद वह शिकायतकर्ता को धर्मशिला पुल के पास एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने चाकू दिखाकर उसे डराया-धमकाया और जबरन उसके पैसे और जरूरी दस्तावेज छीन लिए। पुलिस के अनुसार, महिलाओं ने भी कथित तौर पर शिकायतकर्ता को डराया-धमकाया और उसे ड्राइवर की बातें मानने के लिए मजबूर किया। इसके आधार पर न्यू अशोक नगर थाने में बीएनएस की धारा 309(4)/3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच के दौरान ई-रिक्शा के रजिस्टर्ड मालिक, कल्याणपुरी निवासी अंसार (55 वर्ष) का पता चला। उसने बताया कि इस गाड़ी को आमतौर पर उसका बेटा जुबैर चलाता है। आगे की जांच में पता चला कि जुबैर और उसका बहनोई, नजरे आलम, सनलाइट कॉलोनी थाने में दर्ज एफआईआर में भी शामिल थे, जो लूट के एक अन्य मामले से जुड़ी थी।

दिल्ली पुलिस ने चेन स्नेचिंग के मामले में आदतन अपराधी को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान चेन स्नेचिंग के मामले में एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि इस अपराधी के खिलाफ 25 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जिनमें स्नेचिंग, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट (हथियार कानून) से जुड़े मामले शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। यह कार्रवाई 27 अक्टूबर को मॉर्निंग वॉक के दौरान एक व्यक्ति की सोने की चेन छीनने की घटना के बाद की गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता विजय कुमार सेठ 27 अक्टूबर को सुबह लगभग 7 बजे, 'पार्वती विहार अपार्टमेंट' के पास मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे। तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने कथित तौर पर उनकी सोने की चेन और उसमें लगा 'ओम' का पेंडेंट छीन लिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद, न्यू अशोक नगर थाने में पुलिस ने बीएनएस की धारा 304(2)/3(5) के तहत एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी जिले के एंटी-स्नैचिंग एंड बर्गलरी (एएसबी) सेल की एक विशेष टीम बनाई गई। जांच के दौरान, टीम ने आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध मोटरसाइकिल के आने-जाने के रास्तों का पता लगाया। शिकायतकर्ता ने फुटेज में दिख रहे दो लोगों की पहचान उन संदिग्धों के रूप में की, जिन पर अपराध करने का आरोप है। शुरुआत में एएनपीआर फुटेज से पता चला कि मोटरसाइकिल पर जो रजिस्ट्रेशन नंबर लगा था, वह जांच करने पर एक स्कूटर के नाम पर रजिस्टर्ड निकला। इससे साफ हुआ कि उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। रूट का पीछे की ओर विश्लेषण करते हुए, टीम ने संदिग्धों के आने-जाने के रास्ते का पता लगाया, जो न्यू अशोक नगर, कल्याणपुरी और नाला रोड से होकर गुजरता था। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि संदिग्धों ने अपनी पहचान छिपाने और पकड़े जाने से बचने के लिए रास्ते में अपने कपड़े, हेलमेट, बैठने की स्थिति और मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट बदल ली थी। गाजीपुर अंडरपास के पास के एएनपीआर फुटेज की और जांच करने पर मोटरसाइकिल का असली रजिस्ट्रेशन नंबर सामने आया। इसके मालिक का पता लगाने और बाद में की गई फील्ड जांच की मदद से, पुलिस मोटरसाइकिल के मालिकाना हक तक पहुंचने और उससे जुड़े लोगों की पहचान करने में सफल रही।

छठ पर टिप्पणी कर घिरे यश महेश्वरी, कार्रवाई की मांग

- लोजपा (आर) ने हास्य कलाकार यश महेश्वरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन (हास्य कलाकार) यश महेश्वरी छठ पर्व पर विवादित टिप्पणी करने के बाद आलोचनाओं से घिर गए हैं। टखिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने यश महेश्वरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब महेश्वरी के स्टैंडअप कार्यक्रम का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। यह क्लिप 21 नवंबर को उनके यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था। क्लिप में महेश्वरी ने बिहार में छठ पर्व वर विवाहित महिलाओं के सिंदूर लगाने की परंपरा को लेकर विवादित टिप्पणी की। इसके बाद यश की आलोचना हुई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठने लगी। लोजपा (रामविलास) ने एक बयान में कहा कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार शाम चार बजे दक्षिण दिल्ली के महिला अपराध प्रकोष्ठ थाने में दिल्ली पुलिस को औपचारिक शिकायत सौंपेगा। इसमें कॉमेडियन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। पार्टी ने कहा कि छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बिहार की करोड़ों महिलाओं की आस्था, भक्ति, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। पार्टी ने आरोप लगाया कि छठ पर्व, सिंदूर और बिहार की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर की गई टिप्पणियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। पार्टी ने बताया कि यह शिकायत राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणब कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा।

ट्रेन के चपेट में आने से युवक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओखला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के समय वह ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा गया। आशंका है कि युवक नशे में था। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। रेलवे पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी ने बताया कि पुलिस मृतक की फोटो लेकर उसकी शिनाख्त के लिए आसपास के इलाके में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर में पुलिस को इसकी सूचना मिली थी।

दिल्ली-यूपी में ठंड और कोहरे का डबल अटैक, दक्षिण भारत के 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट



नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में सर्दी का असर बढ़ने के साथ सुबह और रात के समय ठंड तथा कोहरे की स्थिति बनने लगी है। वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 26 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
दिल्ली-एनसीआर में तापमान गिरने से ठंड बढ़ रही है। यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 26 और 27 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में घने कोहरे की संभावना जताई है। पंजाब और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी कोहरा छाने का अनुमान है। इससे सुबह के समय सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है।
उत्तर प्रदेश और बिहार में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। दोनों राज्यों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है, हालांकि सुबह और रात के समय हल्की धुंध तथा ठंड बढ़ सकती है। जम्मू-कश्मीर में भी सर्दी का असर तेज हो रहा है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.9 डिग्री और पहलगाम में माइनस 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
तमिलनाडु के डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर और थेनी सहित कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। केरल और पुडुचेरी में भी बारिश का अलर्ट है। आईएमडी के अनुसार कुछ दक्षिणी इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। मौसम के इस बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण भी चिंता बढ़ा रहा है। यहां वायु गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने से लोगों को सांस संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाई मोदी सरकार, कांग्रेस ने साधा निशाना

- जयराम बोले- खुद को चाणक्य समझने वाले ने साम, दाम, दंड, भेद में से आखिरी तीन तरीके अपनाए, फिर भी नाकाम रहे



नई दिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा में परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत जुटाने में मोदी सरकार की कथित नाकामी को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि खुद को चाणक्य समझने वाले व्यक्ति ने बहुमत हासिल करने के लिए कौटिल्य के सिद्धांत साम, दाम, दंड और भेद में से आखिरी तीन तरीकों का इस्तेमाल किया, लेकिन इसके बावजूद सफलता नहीं मिली।
कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में खतरनाक परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बेताब कोशिश की गई। इस दौरान आर्थिक प्रलोभन, संस्थागत दबाव और विपक्ष में फूट डालने जैसे तरीके अपनाए गए, लेकिन सरकार सफल नहीं हो सकी। उन्होंने सवाल उठाया कि बातचीत और सहमति के रास्ते यानी साम को आजमाने का मौका क्यों नहीं दिया गया।
रमेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पिछले सात महीनों में चार बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संवाद का रास्ता अपनाने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने 11 अप्रैल, 16 जुलाई, 27 अगस्त और 16 अक्टूबर को पत्र लिखे, लेकिन किसी का भी औपचारिक जवाब नहीं मिला। रमेश अक्सर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर स्वयंभू चाणक्य कहकर निशाना साधते रहे हैं।
इससे पहले सोमवार को भी कांग्रेस ने संसद सत्र को लेकर बनी अनिश्चितता पर सरकार को घेरा था। पार्टी ने कहा था कि संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सरकार अब तक परिसीमन विधेयकों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने में लगी है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर राजनीतिक दबाव और धमकियों की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन गतिविधियों से संसद जैसी महत्वपूर्ण संस्था की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केंद्र सरकार की राजनीतिक रणनीति की विफलता बताया।

डूसू कार्यकारिणी चुनाव का बिगुल बजा, तीन दिसंबर को होगा मतदान

- 27 नवंबर तक नामांकन करा सकेंगे, नामांकन पत्रों की जांच भी उसी दिन होगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय में डूसू छात्र संघ चुनाव संपन्न होने के बाद इसकी कार्यकारिणी बनाने के लिए चुनाव होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की 11 सदस्यीय कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) के चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यकारिणी चुनाव के लिए मतदान तीन दिसंबर को होगा। उसी दिन चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया 27 नवंबर को समाप्त हो जाएगी।
चुनाव कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक उम्मीदवार 27 नवंबर दोपहर दो बजे तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद दोपहर 2:30 बजे से नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी और शाम पांच बजे तक योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। इसके अगले दिन यानी 28 नवंबर को उम्मीदवार शाम चार बजे तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद शाम पांच बजे चुनाव मैदान में डटे अंतिम उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी।
तीन दिसंबर को मतदान सुबह 10 बजे से शुरू होकर दोपहर एक बजे तक चलेगा। मतदान संपन्न होने के महज डेढ़ घंटे बाद, दोपहर 2:30 बजे से मतों की गिनती शुरू कर दी जाएगी और शाम तक नतीजे स्पष्ट हो जाएंगे। चुनाव से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं नॉर्थ कैंपस स्थित डीयू के गेट नंबर-4 के सामने बॉटनी विभाग के पास बने कॉन्फ्रेंस सेंटर में चुनाव अधिकारी के कार्यालय से संचालित होंगी।
इस चुनाव में केवल डूसू केंद्रीय परिषद (सेंट्रल काउंसिल) के सदस्य ही हिस्सा ले सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान प्रवेश के लिए चुनाव कार्यालय से जारी गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा, जिसके लिए संबंधित कॉलेज के प्रिंसिपल या विभागाध्यक्ष से सत्यापित फॉर्म जमा करना होगा। साथ ही, उम्मीदवारों को अपने कॉलेज या संस्थान का वैध पहचान पत्र भी साथ रखना होगा। चुनाव के नतीजे घोषित होते ही डूसू की 11 सदस्यीय कार्यकारिणी की टीम पूरी हो जाएगी।

पूर्वी दिल्ली के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए नेशनल स्कूल गेम्स में जगह बनाने का मौका

- अंडर-17 दिल्ली टीम के चयन की तैयारी शुरू, 27 नवंबर से अशोक विहार में लगेगा प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्वी दिल्ली के स्कूली क्रिकेट खिलाड़ियों के पास राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका है। 70वें नेशनल स्कूल गेम्स 2026-27 के तहत दिल्ली की अंडर-17 बालक क्रिकेट टीम तैयार करने के लिए शिक्षा निदेशालय की स्पोर्ट्स ब्रांच 27 नवंबर से प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने जा रही है। इस शिविर के जरिए पूर्वी दिल्ली के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी दिल्ली की टीम में जगह बनाने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार, 27 नवंबर से 4 दिसंबर तक भारत नगर, अशोक विहार में क्रिकेट का कोचिंग एवं ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा।
इसके लिए दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स और सेंट्रल जोन (सीबीएसई) में निर्धारित क्रिकेट मानक पूरे करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों को सुबह 9 बजे शिविर स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। पूर्वी दिल्ली के खिलाड़ियों के लिए राहत की बात यह है कि निर्धारित मानक पूरे करने वाले ऐसे खिलाड़ी, जिनका नाम पहले जारी चयन सूची में शामिल नहीं हो पाया था, वे भी सीधे प्रशिक्षण शिविर में पहुंचकर हिस्सा ले सकते हैं। ऐसे में पूर्वी दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले अंडर-17 क्रिकेट खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा साबित करने और दिल्ली टीम में जगह बनाने का अवसर है। शिविर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर दिल्ली की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। 10 से 15 दिसंबर तक ग्वालियर के सिंधिया स्कूल क्रिकेट ग्राउंड में 70वें नेशनल स्कूल गेम्स आयोजित होंगे। इसमें दिल्ली की टीम दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेगी।

कैंटीन के बाहर प्रदर्शन करने पर जामिया ने 10 से अधिक छात्रों को थमाया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्रशासन ने निर्धारित स्थल के बजाय सेंट्रल कैंटीन के बाहर प्रदर्शन करने पर 10 से अधिक छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सोमवार को बिलकिस बानो मामले के संबंध में विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्यों ने कैंटीन के बाहर प्रदर्शन किया था। चीफ प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से जारी नोटिस में छात्रों से पूछा गया है कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। इसके लिए लिखित जवाब मांगा गया है। नोटिस के अनुसार, छात्रों ने निर्धारित प्रदर्शन स्थल से हटकर सेंट्रल कैंटीन के बाहर सभा की और परिसर में प्रदर्शन संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत जामिया में गेट नंबर-18 को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य कैंटीन के बाहर जुटे। प्रदर्शन में अधिक से अधिक छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर भी साझा किए गए थे। इस दौरान भाषण और नारेबाजी हुई, जिससे परिसर की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। वहीं, विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी चल रही हैं। नोटिस पाने वाले छात्रों में अलग-अलग विभागों के फैजान अहमद, मोहम्मद आकिब, एबिन, ओसामा खान और साहिल फिरोज खान सहित अन्य छात्र शामिल हैं। इनमें आठ छात्र जामिया की एनएसयूआई इकाई के बताए जा रहे हैं। नोटिस में यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों ने सुरक्षा कर्मचारियों को अपने पहचान पत्र नहीं दिखाए। इसे विश्वविद्यालय के अध्यादेश-14 के तहत अनुशासनहीनता और गंभीर कदाचार माना गया है। कुछ छात्रों को पहले जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का भी इसमें उल्लेख किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी। जामिया के एक अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल कैंटीन के आसपास करीब 10 विभाग संचालित होते हैं। परीक्षा के दौरान इस क्षेत्र में प्रदर्शन जैसी गतिविधियों से शैक्षणिक और सामान्य कामकाज प्रभावित होता है। इसे देखते हुए करीब 10 से 12 छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

सीजेपी नेता सौरव दास की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेता सौरव दास की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सौरव दास ने दावा किया था कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने लंदन जाने से रोक दिया, जहां उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। सौरव दास के वकील ने बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) नितिन वासुदेव साम्ब्रे के सामने इस मामले का जिक्र किया और बुधवार को ही तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोका गया था। उन्हें विदेश यात्रा से रोकने वाला कोई आदेश या 'लुक आउट सर्कुलर' नहीं दिखाया गया। वकील ने कहा, 'मुझे इमिग्रेशन पर रोका गया। मुझे कोई आदेश नहीं दिखाया गया। न तो कोई एलओसी था और न ही किसी अथॉरिटी की ओर से मुझे विदेश यात्रा करने से रोकने का कोई निर्देश था। मैं अपनी याचिका पर आज ही तत्काल सुनवाई की मांग कर रहा हूं। अगर सुनवाई हो जाए, तो मैं 27 तारीख तक यूनाइटेड किंगडम पहुंच सकता हूं।' उन्होंने हाईकोर्ट से बुधवार को ही इस मामले पर सुनवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सौरव दास की फ्लाइट गुरुवार शाम को है, और अगर इस पर तुरंत सुनवाई नहीं हुई, तो याचिका का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। हालांकि, एसीजे साम्ब्रे ने तत्काल सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि इस मामले पर गुरुवार को सुनवाई होगी। एक्टिंग चीफ जस्टिस ने कहा, 'इसे कल के लिए रहने दें।' सौरव दास ने सोमवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया था कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने से रोक दिया गया। उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। यह घटनाक्रम सौरव दास की प्रस्तावित विदेश यात्रा को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच सामने आया। दिल्ली भाजपा ने उन पर आरोप लगाया कि वे केंद्र सरकार की ओर से विदेश यात्रा से रोके जाने को लेकर भ्रामक दावे कर रहे हैं।

दिल्ली में जुटेंगे देशभर के हुनरमंद कारीगर, 27 नवंबर से सजेगा हस्तशिल्प और कला का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'कारीगर बाजार' के दूसरे संस्करण का आयोजन 27 नवंबर से 6 दिसंबर तक यहां के लोधी रोड स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। दस दिन के इस आयोजन में 26 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 250 से अधिक कारीगर और शिल्पकार अपनी कला एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इनमें राष्ट्रीय पुरस्कार और संत कबीर पुरस्कार से सम्मानित शिल्पकारों के साथ जीआई टैग प्राप्त कला के विशेषज्ञ, पारंपरिक बुनकर, महिला कारीगर, स्वयं सहायता समूह और उभरते हुए उद्यमी शामिल होंगे। बाजार में बनारसी, चंदेरी, महेश्वरी और इकत जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ ब्लॉक प्रिंटिंग, चिकनकारी, कच्छ कढ़ाई, मधुबनी, गोंड चित्रकला, टेराकोटा, ब्लू पॉटरी, धातु एवं लकड़ी की नक्काशी, पारंपरिक आभूषण और पर्यावरण अनुकूल हस्तशिल्प उत्पादों की विविधता देखने को मिलेगी। इस बार 'कारीगर एक्सपीरियंस सेंटर' भी विशेष आकर्षण होगा, जहां आगंतुक बुनाई, कढ़ाई, मिट्टी के बर्तन बनाने, चित्रकला और नक्काशी जैसी पारंपरिक कलाओं का लाइव प्रदर्शन देख सकेंगे। इसका उद्देश्य लोगों को उत्पादों के साथ-साथ उनके पीछे की कला, तकनीक और कारीगरों की पीढ़ियों से चली आ रही विरासत से जोड़ना है। कारीगर बाजार के निदेशक एवं सह-संस्थापक आमिर खान ने कहा कि पिछले संस्करण को मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इस बार आयोजन को और व्यापक स्वरूप दिया गया है। मंच का उद्देश्य कारीगरों को पहचान और बाजार उपलब्ध कराना तथा उन्हें सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ना है। निदेशक एवं सह-संस्थापक पंकज सिंह राणा ने कहा कि कारीगर बाजार के माध्यम से देश की विविध शिल्प परंपराओं को व्यापक पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं से लेकर छोटे कारीगर समूहों और महिला स्वयं सहायता समूहों तक, सभी को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

मिरांडा हाउस में शोध और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए अलग सुविधाएं शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज में स्नातक छात्रों के शोध और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष सुविधाएं शुरू की गई हैं। कॉलेज में स्नातक शोधार्थियों के लिए विशेष स्थान आवंटित किए गए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय (ओआईपी) के लिए भी अलग सुविधा शुरू की गई है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) बिजयलक्ष्मी नंदा ने बुधवार को इन सुविधाओं की शुरुआत की।
कॉलेज से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के चौथे वर्ष की शुरुआत के बाद शोध के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। इन कमरों में छात्रों को शोध परियोजनाओं, बहुविषयक अध्ययन और अकादमिक संवाद के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें अकादमिक अनुसंधान से जोड़ना है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय के माध्यम से विदेशी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान और संयुक्त शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। कॉलेज का मानना है कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को वैश्विक स्तर पर अकादमिक जुड़ाव के अधिक अवसर मिलेंगे।

निगमायुक्त संजीव खिरवार ने रोहिणी क्षेत्र का किया निरीक्षण, भलस्वा लैंडफिल साइट पर बायो माइनिंग कार्यों का लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी।
निगमायुक्त संजीव खिरवार ने बुधवार को बाहरी उत्तर क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-23 का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निगमायुक्त ने इलाके में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।
संजीव खिरवार ने बाहरी उत्तर क्षेत्र के वार्ड नंबर-27, बेगमपुर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने इलाके में सफाई व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त बनाए रखने के आदेश दिए। रोहिणी सेक्टर-32 एवं दीप विहार का भी निरीक्षण किया एवं वहां पर धूल कम करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम दिल्ली को साफ, स्वच्छ एवं हरित शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कार्य करते हुए निगम के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में जाकर स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं।
निरीक्षण के दौरान बाहरी उत्तर क्षेत्र के उपायुक्त राघवेंद्र मीणा सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, संजीव खिरवार ने आज भलस्वा लैंडफिल साइट पर जारी बायो माइनिंग कार्यों का जायजा लिया। निगमायुक्त ने भलस्वा लैंडफिल साइट कचरे के निस्तारण की प्रगति का जायजा लिया और कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर बचे कूड़े को जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए।
निगमायुक्त ने भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा नए कूड़े के निस्तारण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा लीगेसी कचरे के निस्तारण के मासिक लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाने चाहिए ताकि लीगेसी कचरे का समय से निस्तारण हो सके। उन्होंने भलस्वा लैंडफिल साइट पर आ रहे नए कूड़े का निस्तारण भी जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता केके शर्मा सहित दिल्ली नगर निगम के उच्च अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



संविधान दिवस उत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और परंपरा का परिचायक है

संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संविधान दिवस उत्सव 2026 हमारी गौरवशाली विरासत और परंपरा का परिचायक है। समानता और बंधुत्व हमारे संविधान की आत्मा है। संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश का नाम इंडिया नहीं भारत हो, यह तय करने में मध्यप्रदेश की बड़ी भूमिका रही है। मध्यभारत क्षेत्र के प्रतिनिधित्वकर्ता सेठ श्री गोविंद दास और श्री हरि विष्णु कामत ने इंडिया के स्थान पर भारत नाम की वकालत की। मौलिक अधिकारों के निलंबन के खिलाफ भी मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही, डॉ. हरिसिंह गौर ने 1921 में इस बात पर जोर दिया कि भारत के न्यायालयों के सर्वोच्च निर्णय के लिए देश में ही सुप्रीम कोर्ट की स्थापना होनी चाहिए और वर्ष 1928 में पंडित मोतीलाल नेहरू भी इस विचार से सहमत हुए थे। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प. रविशंकर शुक्ल, भगवंत राव मंडलोई आदि ने राज्य और केंद्रों के अंशदान तथा कर बंटवारे का विषय उठाया। वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था लागू कर व्यवस्था को कायम रखा और राज्यों के साथ सरलीकृत व्यवस्था लागू हुई। भारत के राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न में चार शेर की पृष्ठभूमि भी मध्यप्रदेश से जुड़ती है। इसके चित्रांकन में स्व. पंडित दीनानाथ भार्गव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को विधानसभा में पारित किया है, इस विषय को पहली बार राजकुमारी अमृत कौर ने उठाया था। समान नागरिक अधिकारों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार को धार्मिक आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। एक देश, एक विधान और एक प्रधान के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कई राज्य सरकारों ने यूसीसी की ओर कदम बढ़ाए हैं। एक दिन देश की संसद भी यूसीसी को पारित करेगी।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस के अवसर पर मप्र विधानसभा परिसर में आयोजित संविधान दिवस उत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर में स्थित संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका %विधायिनी% के संविधान दिवस विशेषांक का विमोचन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यक्रम वंदे मातरम् और जन-गण-मन के गान के साथ आरंभ हुआ। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि आज ही मध्यप्रदेश विधानसभा के यूट्यूब चैनल का शुभारंभ हो रहा है। संविधान दिवस पर विधानसभा के सेन्ट्रल हॉल में संविधान सभा में मध्यप्रदेश का वृहत्तर प्रतिनिधित्व विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी तथा विधानपरिषद क्षेत्र में संविधान निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों के चित्रों और कार्यों पर आधारित गैलरी का भी शुभारंभ किया गया है। अतिथियों का पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत-अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संविधान के चित्रांकन कलाकार श्री दीनानाथ भार्गव के पुत्र का अभिनंदन भी किया। उल्लेखनीय है कि स्व. भार्गव जी ने संविधान के पहले पेज पर अशोक स्तंभ का चित्रांकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संविधान की उद्देश्यिका में तिथि, विक्रम संवत और शक संवत का भी उल्लेख मिलता है। हमारा संविधान 1950 में लागू हुआ और तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 1951 में ही इसमें प्रथम संशोधन किया।



संविधान दिवस पर विधि महाविद्यालय में आयोजित हुईं शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियाँ

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

शासकीय राज्य स्तरीय विधि महाविद्यालय, भोपाल में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान तथा मौलिक कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रोमा मुखर्जी द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ किया गया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. विक्रम सिंह चौधरी ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाई। संविधान के प्रति विद्यार्थियों की समझ एवं जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने संवैधानिक ज्ञान का परिचय दिया। इसके साथ ही %मेरा संविधान, मेरा स्वाभिमान% विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से संविधान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय गौरव को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल चौरसिया ने किया। अंत में डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका समझने का संदेश दिया गया।

विकास और विरासत की थीम पर केंद्रित रहा प्रदेश का मंडप

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में मध्यप्रदेश मंडप को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला सम्मान

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

45वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में एक बार फिर मध्यप्रदेश को कांस्य पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय व्यापार एवं संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष श्री जावेद अशरफ द्वारा मध्यप्रदेश के लिए मेले की थीम विकास और विरासत के लिए मध्यप्रदेश मंडप द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में कांस्य पदक प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश शासन की ओर से श्री बी.एन तिवारी संचालक मध्यप्रदेश मंडप ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर उद्योग विभाग के संयुक्त संचालक समरथ मंडलोई सहित अन्य अधिकारी, मध्यप्रदेश के कलाकार, शिल्पकार आदि उपस्थित थे। 45वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2026 में मध्यप्रदेश मण्डप को मेले की थीम विकास और विरासत के अनुरूप आकर्षक ढंग से सजाया गया। मण्डप में विकास के सौपान के रूप में औद्योगिक क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बनाई गयी विभिन्न नीतियों, उपलब्धियों को दर्शाया गया। जिनमें एम.एस.एम.ई. विकास पालिसी-2025, म.प्र. स्टार्टअप पालिसी एण्ड इम्पलीमेंटेशन स्कीम 2025, मध्यप्रदेश एलाटमेन्ट आफ इण्डस्ट्रियल लैण्ड एण्ड बिल्डिग एण्ड मैनेजमेन्ट रूल्स टू एम.एस.एम.ई.- 2025 तथा मध्यप्रदेश में निवेश सम्बंधी जानकारी प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गई। इन नीतियों को भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा सर्वाधिक निवेश मित्र नीतियों के रूप में सराहा गया था। समृद्ध किसान, आत्म निर्भर महिलायें, शिक्षा एवं कौशल विकास, युवा सशक्तिकरण, सड़कें, मेट्रो और नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी और संरचना आदि



को पैनल एवं चित्रावली के माध्यम से बखूबी दर्शाया गया है। जीआईमैप एवं ओ.डी.ओ.पी. मैप के द्वारा प्रदेश के उत्पादों की जानकारी प्रदर्शित की गई तथा इनमें से कुछ उत्पादों के विक्रय स्टाल भी लगाये गये। मण्डप में जरी जरदोजी एवं गौंड पेन्टिग का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। मण्डप के प्रवेश द्वारों को महाकाल लोक का स्वरूप दिया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार को उज्जैन की वेध शाला, वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला तथा विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से सजाया गया जिसने प्राचीन काल से उज्जैन नगर के काल गणना एवं खगोल विज्ञान के महत्वपूर्ण वैश्विक केन्द्र होने की ओर दर्शकों का ध्यान आकृष्ट किया। इसके अलावा मण्डप में मध्यप्रदेश की विरासत को खजुराहो मन्दिर, सांची स्तूप, भीम बैठका, एकात्म धाम, महेश्वर, इन्दौर के राजवाड़ा, ग्वालियर फोर्ट, चौसठ योगिनी मन्दिर, विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सव सिंहस्थ मेला 2028, प्रदेश के प्रसिद्ध संगीतकारों, गायकों एवं प्रदेश के मनोरम दृश्यों और विशिष्ट स्थानों की पृष्ठभूमि में फिल्माए गये चलचित्रों के माध्यम से भी दर्शाया गया। मण्डप में वन्यजीव दीवार ने भी दर्शकों का ध्यान आकृष्ट किया। जिससे वन्य जीवों के संरक्षण में मध्यप्रदेश राज्य के योगदान से दर्शक परिचित हुए।

शिल्प और पेंटिग्स प्रदर्शन

मध्यप्रदेश की समृद्ध कलात्मक परम्पराओं और स्वदेशी शिल्प कौशल का उत्सव जरी जरदोजी, ढोकरा, लौह शिल्प, गौण्ड पेन्टिग्स, बीड ज्वेलरी, बेल मेटल क्राफ्ट के आधार के माध्यम से मेले में आने वाले दर्शकों तक पहुंचा। मण्डप में घूमते हुए काइनेटिक ÷एलईडी÷ में निरन्तर दृश्यात्मक प्रदर्शन के द्वारा प्रदेश के विकास और विरासत की कहानी बयां की गई। म.प्र. मण्डप में ÷विकास और विरासत÷ थीम के अनुरूप विभिन्न जानकारियों से सजाया गया है। म.प्र. मण्डप में 7 शासकीय विभागों / निगम मण्डलों, 49 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों, 12 स्टार्टअप, 2 कलस्टर्स द्वारा भाग लिया है। तथा दो शिल्पियों द्वारा अपनी कला का सजीव प्रदर्शन किय गया है। इससे पहले गत 19 नवम्बर को सत्येन्द्र भूषण सिंह अध्यक्ष म.प्र. लघु उद्योग निगम द्वारा म.प्र. मण्डप में द्वीप प्रज्ज्वलित कर मध्यप्रदेश दिवस समारोह का शुभारम्भ किया गया था।

उज्जैन में चारों शंकराचार्यों के स्थायी स्थान विकसित किए जाने की हुई शुरूआत

श्रीशारदापीठ श्रृंगेरी शंकर मठ में प्राण-प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक महोत्सव में शामिल हुए सीएम डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन के ग्राम ढेंढिया में आकार ले रहे श्रीशारदापीठ श्रृंगेरी शंकर मठ में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक महोत्सव में सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारदा पीठ श्रृंगेरी के शंकराचार्य स्वामी श्री विधुशेखर भारती महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य स्वामी जी को अंगवस्त्र और फल की टोकरी भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनिर्मित श्रीशारदापीठ श्रृंगेरी शंकर मठ में मां शारदा, मां अंबा, भगवान शिव, भगवान गणेश, कार्तिक स्वामी, हनुमानजी तथा नवग्रह देवताओं की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर विधिवत पूजन-अर्चन किया। प्राण-प्रतिष्ठा एवं पूजन की विधियां श्रृंगेरी मठ, कर्नाटक से आए विद्वान ब्राह्मणों के दल द्वारा संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी श्री विधुशेखर भारती महाराज का उज्जैन आगमन और उनका आशीर्वाद प्राप्त होना हम सब के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने सनातन धर्म की ध्वजा को देशभर में स्थापित करने का महान कार्य किया था। आज उज्जैन में पुनः ऐसा शुभ अवसर आया है, जब शंकराचार्य जी ने यहां अपना स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब शंकराचार्य स्वामी जी अपने भ्रमण के दौरान उज्जैन आकर यहां स्थायी रूप से रुक सकेंगे। राज्य सरकार का प्रयास है कि श्रृंगेरी मठ सहित चारों मठों के सभी शंकराचार्यों के स्थायी आवास उज्जैन में विकसित हों। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रथम शंकराचार्य का स्थान उज्जैन में स्थापित हो चुका है। द्वारका शंकराचार्य जी ने भी उज्जैन में स्थान के लिए स्वीकृति प्रदान की है और उसका निर्माण कार्य जारी है। हमारा प्रयास है कि सभी शंकराचार्यों के स्थायी स्थान उज्जैन में बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को विश्व धरोहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आध्यात्मिक महापुरुषों और शंकराचार्यों की उपस्थिति से उज्जैन की आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक गरिमा और अधिक बढ़ेगी। सिंहस्थ-2028 के दौरान तथा इसके बाद भी श्रद्धालुओं एवं आमजन को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने में इन आध्यात्मिक केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। शंकराचार्य स्वामी जी का उज्जैन आना हम सभी के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उनके सान्निध्य से उज्जैन की सनातन, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री संजय अग्रवाल, श्री विवेक गुप्ता, संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।



एमईई-2026 की तैयारी में जुटा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पर्यटन हितधारकों से लिया फीडबैक

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आगामी मैनेजमेंट इफेक्टिवनेस इवैल्यूएशन (एमईई)-2026 की तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस महत्वपूर्ण मूल्यांकन में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा पर्यटन से जुड़े सभी हितधारकों की सहभागिता बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में 25 नवंबर को क्षेत्र संचालक के मार्गदर्शन में स्टेकहोल्डर

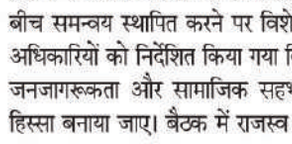

ओरिएंटेशन बैठक आयोजित की गई। बैठक में होटल एवं रिसॉर्ट एसोसिएशन, जिप्सी एसोसिएशन, गाइड एसोसिएशन के प्रतिनिधियों तथा वाहन चालकों ने भाग लेकर अपने सुझाव दिए। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता सहायक संचालक (ताला) श्री जितेंद्र अवासे एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी (ताला एवं पर्यटन) श्री राहुल किरार ने की। इस दौरान पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एमईई-2026 के उद्देश्यों, मूल्यांकन प्रक्रिया और पर्यटन से जुड़े विभिन्न मापदंडों की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून द्वारा प्रत्येक चार वर्ष में देश के टाइगर रिजर्व का स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाता है। वर्ष 2026 में इस मूल्यांकन का छठा चक्र आयोजित होगा, जिसमें देश के सभी 58 टाइगर रिजर्व शामिल होंगे। मूल्यांकन के कुल 34 प्रश्नों के माध्यम से 340 अंकों पर विभिन्न व्यवस्थाओं और संरक्षण संबंधी प्रयासों का आकलन किया जाएगा। इनमें पर्यटन प्रबंधन, पर्यटक सुविधाएं, कचरा प्रबंधन, ईको-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय आजीविका और जनभागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। बैठक में होटल एवं रिसॉर्ट संचालकों से गीले और सूखे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण एवं निपटान सुनिश्चित करने, एकल उपयोग प्लास्टिक से बचने, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने तथा पर्यटकों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण के नियमों की जानकारी देने की अपेक्षा की गई।

गोविंदपुरा विधानसभा में 1.49 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का हुआ भूमि- पूजन

विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि ÷गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं का सतत विस्तार किया जा रहा है। कॉलोनियों की मूलभूत समस्याओं का त्वरित निराकरण और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता ने जिस अटूट विश्वास के साथ हमें दायित्व सौंपा है, उस पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए किया गया हर वादा पूरा करने हेतु हम निरंतर संकल्पित हैं।÷ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर वार्ड 53 के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि - पूजन समारोह को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में 1 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत



विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। बागसेवनिया, बागमुगालिया, जाटखेड़ी और दानिश नगर क्षेत्र में आयोजित इन कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने कहा कि कॉलोनियों में सड़क, नाली, पुलिया और अन्य जनसुविधाओं का विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है। जनसहयोग और जनभागीदारी से क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई प्राप्त हो रही है। स्वीकृत निर्माण कार्यों के अंतर्गत शंकराचार्य होम्स के समीप 25 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण, पार्थसारथी पार्क के पास 10 लाख रुपए की लागत से बाउंड्रीवॉल तथा संत आसाराम नगर फेज-1 स्थित श्री सिद्धेश्वर शिव शक्ति मंदिर के पास 5 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक का कार्य पूर्ण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बागमुगालिया बस स्टॉप के समीप 7 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुगमता होगी। क्षेत्रीय जलापूर्ति व निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए ढोलक बस्ती जाटखेड़ी, संजय नगर एवं आसाराम नगर में 40 लाख रुपए की लागत से नाली निर्माण एवं अन्य विकास कार्य प्रस्तावित हैं।

भोपाल में जनजागरूकता के लिए दस लाख से अधिक नागरिकों के माध्यम से एक साथ एक दिन दिलाई जाएगी शपथ

नशामुक्त भोपाल के लक्ष्य को लेकर जिला प्रशासन सख्त, ड्रग्स की रोकथाम के लिए जागरूकता के साथ प्रभावी कार्रवाई पर जोर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, तस्करी एवं वितरण पर प्रभावी अंकुश लगाने और नशामुक्त वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय (नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर) समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री महेंद्र कबचे ने की। बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम, अवैध कारोबार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार एवं पुनर्वास को लेकर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर देकर चर्चा एवं निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नशे के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए। बैठक में राजस्व आसूचना निदेशालय के डिप्टी कमिश्नर श्री उत्सव पाराशर द्वारा भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि छत्रछ द्वारा खुफिया सूचनाओं के आधार पर बस, रेलवे स्टेशन एवं अन्य परिवहन माध्यमों से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। 01 नवंबर को दिल्ली से भोपाल पहुंची बस



में सवार दो यात्रियों से लगभग 4.321 किलोग्राम एम्फेटामाइन बरामद की गई। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी कीमत लगभग 3.45 करोड़ रुपये आंकी गई। दोनों आरोपियों को छत्रछ एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। 5 नवंबर को छत्रछ ने सोनकच्छ टोल प्लाजा पर दिल्ली से भोपाल आ रही बस में एक यात्री से 6.642 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त की। इसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत 5.32 करोड़ रुपये बताई गई। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। नवंबर में ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस में कार्रवाई करते हुए छत्रछ ने 591 ग्राम कोकीन बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2.96 करोड़ रुपये बताई गई। इस मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया गया। भोपाल पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 741 ग्राम चरस, 387 ग्राम गांजा तथा 606 प्रतिबंधित इंजेक्शन जब्त किए। कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा छत्रछ एक्ट सहित संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। बैठक में इन कार्रवाइयों के दृष्टिगत मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला, तस्करी के मार्गों एवं स्थानीय स्तर पर इनके वितरण पर प्रभावी निगरानी रखने तथा संबंधित विभागों के बीच सूचना का त्वरित आदान-प्रदान भी सुनिश्चित हो रहा है। स्कूल एवं कॉलेजों में गठित एंटी-ड्रग कमेटियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए। सामाजिक न्याय विभाग, पुलिस एवं नारकोटिक्स विभाग संयुक्त रूप से शिक्षण संस्थानों में जागरूकता अभियान संचालित करेंगे। नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्टल के विद्यार्थियों, नागरिकों एवं भोपालवासियों की सामूहिक सहभागिता से नशामुक्ति की शपथ दिलाने और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी।

चिप्स-कुकीज की क्रेविंग कहीं बच्चों के दिमाग पर तो नहीं पड़ रही भारी?



अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड बच्चों के दिमाग और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा हैयह फूड बच्चों के ब्रेन के रिवॉर्ड सिस्टम को प्रभावित कर, मोटापा बढ़ाता है और सोचने-समझने की शक्ति को कमजोर करता है.

नोएडा में रहने वाली 8 साल की अनन्या को स्कूल से लौटते ही चिप्स का पैकेट और कोल्ड ड्रिंक चाहिए. घर का बना खाना देखते ही वह मुंह बनाने लगती है, लेकिन पैकेटबंद स्नैक्स या बिस्किट का नाम सुनते ही खुश हो जाती है. आज कल कई घरों में बच्चों की यही कहानी है.

पेरेंट्स इसे बच्चों की जिद या स्वाद की पसंद समझकर इग्नोर कर देते हैं, लेकिन अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया की एक रिसर्च ने इसे लेकर गंभीर चेतावनी दी है. स्टडी के मुताबिक, पैकेटबंद और जंक फूड सिर्फ बच्चों का वजन नहीं बढ़ा रहे, बल्कि खाने की फोटोज के प्रति उनके बढ़ते ब्रेन रिस्पॉन्स पर भी असर डाल सकते हैं.

या बताती है नई स्टडी?

मेडिकल जर्नल 'जामा नेटवर्क ओपन' में अक्टूबर 2026 में छपी इस स्टडी में 7 से 10 साल की उम्र के 46 बच्चों पर रिसर्च की गई. शुरुआत में सभी बच्चों का वजन नॉर्मल था. साइंटिस्ट्स ने एमआरआई स्कैन से देखा कि जब बच्चों को फ्रेंच फाइज और कुकीज जैसी फूड इमेजेस दिखाई जाती हैं तो उनका ब्रेन कैसे रिएक्ट करता है.रिसर्च से सामने आया कि जो बच्चे डेली डाइट में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते थे, उनके ब्रेन के डॉर्सल स्ट्रायटम में फूड इमेजेस देखने पर ज्यादा एक्टिविटी रिकॉर्ड हुई. यह ब्रेन का वह पार्ट है जो रिवॉर्ड और मोटिवेशन से जुड़ा है. एक साल बाद जिन बच्चों में फूड इमेजेस देखकर यह रिस्पॉन्स ज्यादा था, उनमें बीएमआई और बॉडी फैट बढ़ने का संबंध भी देखा गया.

बच्चों के दिमाग को कैसे 'हाईजैक' कर रहे हैं ये फूड?

रिसर्च में सामने आया, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड में भारी मात्रा में रिफाइंड शुगर, नमक, अनहेल्दी फैट और आर्टिफिशियल फ्लेवर मिलाए जाते हैं. जब बच्चा ऐसे फूड खाता है तो ब्रेन का वो पार्ट ज्यादा एक्टिव हो जाता है जो आदत और लालच को कंट्रोल करता है. इससे बच्चे को पेट भरा होने के बावजूद बार-बार भूख लगने का अहसास होता है.

दिमाग के किन फंक्शन्स पर पड़ता है असर?

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन और बच्चों के डॉक्टर डॉ. डीके गुप्ता कहते हैं कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का असर बच्चों के कॉग्निटिव फंक्शन्स पर भी पड़ सकता है. इनमें रीजनिंग, क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स, फोकस, अटेंशन, कंसंट्रेशन, रिकग्निशन और रिवॉर्ड सिस्टम शामिल हैं.बच्चों का दिमाग डेवलपिंग स्टेज में होता है. अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से होने वाला इन्फ्लेमेशन उनकी ब्रेन हेल्थ पर असर डाल सकता है. इसलिए जंक फूड, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और शुगर वाली ड्रिंक्स से दूरी जरूरी है.इसका असर केवल बचपन तक सीमित नहीं रह सकता. आगे चलकर ओबेसिटी, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और फैटी लिवर जैसी लाइफस्टाइल डिसीज का रिस्क बढ़ सकता है. लंबे समय में एथेरोस्क्लेरोसिस, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम भी बढ़ सकता है.

बच्चें की इन आदतों पर ध्यान दें

पेरेंट्स को बच्चे के बढ़ते वजन और बीएमआई के साथ उसकी डेली हैबिट्स पर भी नजर रखनी चाहिए. डॉ. गुप्ता कहते हैं कि अगर बच्चा फिजिकली एक्टिव नहीं है, ज्यादातर समय बैठकर बिताता है या उसकी स्कूल परफॉर्मेंस प्रभावित हो रही है, तो उसकी डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है.

क्या राहुल-अखिलेश कर पाएंगे चक दे! इंडिया



इस बीस साल पुरानी फिल्म का यह दृश्य अभी उत्तरप्रदेश चुनाव की हलचल देखकर याद आ गया। फिल्म की तरह यहां भी टीम इंडिया के सामने आर या पार वाली स्थिति है। सामने भाजपा जैसा मजबूत प्रतिद्वंद्वी है, जिसके पास न केवल लगातार दो बार की सत्ता है, बल्कि इस समय तो पूरा का पूरा सिस्टम ही पार्टी की तिजोरी में कैद है। आज देश के मंदिरों के अलावा सबसे ज्यादा संपत्ति शायद भाजपा के घोषित-अघोषित खातों में ही है।फिल्म चक दे! इंडिया में प्रीति सभरवाल (सागरिका घाटगे) और कोमल चौटाला (चित्राशी रावत) टीम इंडिया की मुख्य फॉरवर्ड खिलाड़ी होती हैं और दोनों के बीच सबसे ज्यादा गोल करने की होड़ रहती है। प्रीति का क्रिकेटर मंगेतर महिला हॉकी का मखौल उड़ाता है तो प्रीति खुद को साबित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल करना चाहती है, वहीं हरियाणा के एक छोटे से गांव से आने वाली कोमल को लगता है कि अगर वह ज्यादा गोल नहीं करेंगी, तो बड़े शहरों की खिलाड़ियों के बीच उनकी अनदेखी हो जाएगी। लिहाजा दोनों मैदान पर एक-दूसरे को गेंद (पास) देना बंद कर देती हैं, जिससे कई आसान गोल करने के मौके चूक जाते हैं। हालांकि एक निर्णायक मैच में कोमल को लगता है कि प्रीति की चुनौती उससे बड़ी है, तो वह आखिरी पलों में उसकी तरफ गेंद बढ़ा देती है, ताकि गोल हो, टीम को जीत मिले और प्रीति अपने मंगेतर को हॉकी की अहमियत साबित कर सके।

इस बीस साल पुरानी फिल्म का यह दृश्य अभी उत्तरप्रदेश चुनाव की हलचल देखकर याद आ गया। फिल्म की तरह यहां भी टीम इंडिया के सामने आर या पार वाली स्थिति है। सामने भाजपा जैसा मजबूत प्रतिद्वंद्वी है, जिसके पास न केवल लगातार दो बार की सत्ता है, बल्कि इस समय तो पूरा का पूरा सिस्टम ही पार्टी की तिजोरी में कैद है। आज देश के मंदिरों के अलावा सबसे ज्यादा संपत्ति शायद भाजपा के घोषित-अघोषित खातों में ही है। पिछले 10-15 सालों में बाकी पार्टियों को मिलने वाली चंदे की रकम कम होती गई, लेकिन भाजपा के चंदे में कई गुना बढ़ोतरी हो गई। इन पैसों से पार्टी के केवल आलीशान दफ्तर नहीं बन रहे हैं, मीडिया को खरीदने से लेकर नैतिक-अनैतिक सारी रणनीतियों को सफल करने के लिए भी इसी पैसे को झोंका जाता है। मोदी सरकार ने चुनाव आयोग को अपनी मुट्ठी में कर लिया है, एसआईआर के बाद ही बिहार और बंगाल दोनों में भाजपा ने सरकार बना ली है। टीएमसी, एनसीपी, शिवसेना, जेडीयू जितनी भी मजबूत प्रतिद्वंद्वी क्षेत्रीय पार्टियां थीं, या तो भाजपा ने उन्हें तोड़ दिया या फिर अपने साथ मिला लिया। यह सब धन के बल पर ही हुआ है। चुनाव के वक्त भाजपा अपनी मर्जी का नैरेटिव कैसे तैयार करवाती है, यह भी साल दर साल देखा जा रहा है। ऐसा नहीं है कि समाजवादी पार्टी या कांग्रेस को यह सब नजर नहीं आ रहा होगा। बल्कि लोकसभा चुनाव से पहले जब इंडिया गठबंधन बना था, तो इसी वजह से ही बना था कि तमाम विपक्षी दलों को भाजपा का खेल साफ-साफ समझ आ रहा था। उस समय जो एकता कायम हुई थी, उसका फायदा भी मिला था। लेकिन अब प्रीति सभरवाल और कोमल चौटाला की तरह सपा और कांग्रेस फिर एक दूसरे को गेंद न देकर अकेले गोल करना चाह रहे हैं।बीते दो दिनों में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर बैठकें हुईं, जिसमें अखिलेश यादव और राहुल गांधी नहीं थे, बल्कि उनकी तरफ से अन्य प्रतिनिधियों ने चर्चा की। इसमें सपा ने कांग्रेस को 403 में महज 26 सीटें देने का प्रस्ताव रखा, जबकि कांग्रेस कम से कम सौ सीटें चाहती है। उप्र जैसे बड़े राज्य में ज्यादा सीटों पर लड़ना और सरकार बनाने की महत्वाकांक्षा हर तरह से जायज है। लेकिन केवल सपना पालने से कुछ नहीं होता, उसके लिए त्रुटिरहित रणनीति बनानी पड़ती है और भावनाओं में बहे बिना सख्ती से उसका पालन भी करना होता है। यह काम दोनों दलों के शीर्ष नेता ही कर सकते हैं, क्योंकि दूसरी और तीसरी पंक्ति के नेताओं में एक अतिरिक्त महत्वाकांक्षा पहली पंक्ति में आने की भी रहती है, जिसकी वजह से वे पार्टी या गठबंधन का दूरगामी नुकसान करवाते हैं। सपा में रामगोपाल यादव और कांग्रेस में राजेंद्र पाल गौतम या इमरान मसूद जैसे नेता फिलहाल यह काम कर रहे हैं। इनकी तरफ से अनावश्यक बयानबाजी काफी नहीं थी, जो अब अखिलेश यादव की सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट भी आ गई। जिसमें वे सीट नहीं जीत को महत्वपूर्ण बता रहे हैं, सीट बंटवारा नहीं सीट समायोजन पर जोर दे रहे हैं। लेकिन सवाल ये है कि आखिर आप जो भी सोच रहे हैं या रणनीति बना रहे हैं, उसे सार्वजनिक करने की कौन सी मजबूरी थी। इधर सीट बंटवारे पर पेंच फंसा ही हुआ है और इस बीच सपा ने मंगलवार देर रात पांच सीटों के लिए अपनी पहली सूची जारी कर दी। क्या सपा थोड़ा और इंतजार नहीं कर सकती थी या फिर यह कांग्रेस पर दबाव बनाने का कोई तरीका है। अभी जो 26 सीटें कांग्रेस को प्रस्तावित की गई हैं, उनमें दो ऐसी सीटें हैं, जहां कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। चार सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। बाकी 20 सीटों पर सपा का आकलन है कि कांग्रेस के लिए चुनावी संभावना हो सकती है। सपा और कांग्रेस दोनों दल अभी यही तय नहीं कर पा रहे हैं कि सीट बंटवारा किस आधार पर हो। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों का गठबंधन था, और 80 में से 17 सीटों पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था, छह पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस इसे अपना मजबूत प्रदर्शन मानकर चाहती है कि कम से कम हर लोकसभा क्षेत्र में एक विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने का अवसर मिलना चाहिए। इसी आधार पर कांग्रेस करीब सौ सीटों की मांग कर रही है। लेकिन सपा 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को याद दिला रही है कि उस समय कांग्रेस ने 399 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, और केवल दो सीटें जीती थीं। तब पार्टी के 387 उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए थे। जबकि तब सपा ने 111 सीटें जीती थीं। इससे पहले 2017 का चुनाव दोनों दलों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। उस चुनाव में सपा को 54 और कांग्रेस को सात सीटों पर जीत मिली थी।

लेकिन 2017 और 2022 दोनों बार जीत भाजपा की ही हुई थी। यही वह बड़ा सबक है जो अब सपा और कांग्रेस को याद रखना होगा कि चाहें अकेले लड़ें या साथ लड़ें, जीत तभी मिलेगी, जब अपने मुकाबले खड़ी पार्टी की असली ताकत को पहचानना होगा। और भाजपा की असली ताकत उसकी तिजोरी से होते हुए बूथ संभालने में लगे कार्यकर्ताओं और पन्ना प्रमुखों तक है। भाजपा के अदने से कार्यकर्ता को भी पता है कि उनकी पार्टी जीतने के लिए चुनाव लड़ती है और एक बार सत्ता में आ गए तो फायदा सबको मिलता है। सपा और कांग्रेस के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में यह आत्मविश्वास नहीं आ पाता, क्योंकि वे देखते हैं कि उनके बड़े नेता ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, उनके पास करने के लिए बातें तो बहुत हैं, लोकतंत्र और संविधान बचाने की दुहाई भी है, लेकिन उन बातों को जमीन पर कारगर करने का मंत्र नहीं है।

भाजपा कितनी चतुराई से चुनावी राज्यों में काम करती है, इसका उदाहरण पंजाब में देखा जा सकता है, जहां भाजपा और अकाली दल छह साल बाद फिर साथ आ गए हैं। अमित शाह ने अकाली दल के साथ गठबंधन को न केवल अंजाम दिया बल्कि उसके सामने कम सीटों पर लड़ने के लिए भी रजामंदी कर ली। यानी अकाली दल पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। चुनाव के बाद इस भाईचारे का हश्र क्या बिहार में जेडीयू-भाजपा की तरह होगा, यह अलग सवाल है। लेकिन फिलहाल पंजाब की सत्ता में आने और कांग्रेस को सत्ता से दूर करने के लिए भाजपा ने पहला सफल दांव चल दिया है। अकाली दल से गठबंधन करने के बाद ही मंच पर सबने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और ताकत दिखाई। इससे पहले सोशल मीडिया पर तकरीर लिखकर गठबंधन की उलझनों को सार्वजनिक नहीं किया।

संपादकीय

सार्थक की सार्थक पहल

लाखों का वेतनमान और सरकारी नौकरी के तहत मिलने वाली तमाम सुविधाएं उठाकर चंद घंटे काम करने वाले चुनाव आयोग के अधिकारी और तकनीकी जानकार जो काम नहीं कर सके, उसे एक 18 साल के लड़के ने संभव कर दिखाया है। यह काम है लाखों-करोड़ों नाम वाली वोटर लिस्ट में अपना नाम ढूंढने की तकनीकी सुविधा। अमूमन वोटर लिस्ट की लाखों पन्नों वाली स्कैन पीडीएफ फाइलों में एक नाम खोजने के लिए लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। लेकिन अब रांची के 18 साल के एथिकल हैकर सार्थक सिद्धांत ने उत्तर प्रदेश की 6.8 लाख पीडीएफ फाइलों को डिजिटल डेटा में बदलकर इसे आसानी से खंगालने वाला बना दिया है।मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सार्थक ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने चुनाव आयोग की ओर से जारी उत्तर प्रदेश की सभी वोटर लिस्ट की पीडीएफ पर ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे स्कैन की गई फाइलों में मौजूद नाम और दूसरी जानकारियां मशीन से पढ़े जा सकने वाले डेटा में बदल गईं। सार्थक के मुताबिक सार्वजनिक रूप से डाउनलोड किए जा सकने वाले डेटा में निजता का भी ध्यान रखा गया है। इसमें वोटर के नाम, रिश्तेदारों के नाम, एपिक नंबर और मकान नंबर जैसे संवेदनशील पहचान संबंधी विवरणों को एक टोकन से बदल दिया गया है। दरअसल अब तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ज्यादातर वोटर लिस्ट पीडीएफ के रूप में थीं। ऐसे में किसी शख्स का नाम तलाशने के लिए पहले विधानसभा क्षेत्र और पोलिंग बूथ की जानकारी जुटानी पड़ती थी। इसके बाद उससे जुड़ी पीडीएफ डाउनलोड कर उसके पन्नों को एक-एक करके देखना होता था। ओसीआर तकनीक की मदद से अब इन फाइलों का डेटा टेबल के रूप में व्यवस्थित कर दिया गया है। इससे किसी खास रिकॉर्ड को खोजना और अलग-अलग चुनावों या रिवीजन के दौरान वोटर लिस्ट में हुए बदलावों की तुलना करना आसान होगा। सार्थक के मुताबिक अब राज्य की 403 विधानसभा सीटों के 54.8 करोड़ वोटर रिकॉर्ड्स को आसानी से खंगाला जा सकेगा। दरअसल विपक्ष चुनाव आयोग से इस तरह की व्यवस्था की मांग पहले से करता रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग ने 17 नवंबर को 2027 की ड्राफ्ट वोटिंग लिस्ट में जानकारी खोजने और डाउनलोड करने लायक पीडीएफ फाइलें उपलब्ध कराई थीं। हालांकि, सार्थक ने इससे आगे का भी काम किया है। उन्होंने मतदाता सूची के चार सेट्स को एक साथ लाकर लाखों डॉक्यूमेंट्स को एक डाटासेट बनाया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इस काम के लिए सार्थक सिद्धांत की प्रशंसा करते हुए लिखा कि सार्थक का यह काम लंबा और कठिन जरूर है, लेकिन बेहद आवश्यक है। गोगोई के अनुसार, जब नागरिक सतर्क रहते हैं और जनता की सेवा के लिए बने संस्थानों की जांच-पड़ताल होती है, तो इससे लोकतंत्र मजबूत होता है। कांग्रेस सांसद के अलावा भी कई और लोगों ने सार्थक सिद्धांत के काम को जरूरी और सराहनीय बताया है। हालांकि अब तक भाजपा या चुनाव आयोग की तरफ से सार्थक की तारीफ में कोई बयान पढ़ने नहीं मिला है। हो सकता है उन्हें लाखों लोगों की मुश्किल आसान करने वाले इस काम में कोई खासियत नजर नहीं आई हो। खैर सार्थक का यह पहला कारनामा नहीं है। हाल ही में टाइम पत्रिका ने उन्हें सौ प्रतिभाशाली भारतीय युवाओं में शुमार किया है। पत्रिका हर साल ऐसे 100 उभरते भारतीय युवाओं की सूची जारी करती है, जो अपने काम, नए आइडिया और उपलब्धियों से देश का भविष्य गढ़ने में भूमिका निभा रहे हैं। दरअसल मई महीने में सार्थक सिद्धांत तब सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम में गड़बड़ियों को उजागर किया था। उन्होंने कम अंक मिलने के बाद अपनी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी मांगी और बोर्ड के नई चेकिंग सिस्टम की पड़ताल शुरू की।

मुट्ठी में दुनिया और छूटता हाथ!



आज इंसान के हाथ में पूरी दुनिया है। एक छोटे से मोबाइल में हजारों किताबें हैं, लाखों जानकारियां हैं, मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं और सात समंदर पार बैठे व्यक्ति से बात करने की सुविधा है, लेकिन एक अजीब विडंबना देखिए, दुनिया से जुड़ता जा रहा इंसान अपने ही घर में बैठे लोगों से दूर होता जा रहा है। कभी घरों में शाम होते ही रौनक हुआ करती थी। कोई दिनभर की कहानी सुनाता था, कोई अपनी परेशानी बताता था, तो कोई बिना किसी खास वजह के हंसी-मजाक कर लिया करता था। घर के आंगन में बैठकर चाय पीना भी एक उत्सव हुआ करता था। आज वही आंगन सूना है। बैठक में लोग मौजूद हैं, लेकिन सबकी दुनिया अलग-अलग मोबाइल स्क्रीन में कैद है।

आज मां अपने बेटे को आवाज लगाती है, बेटा मोबाइल में व्यस्त है। पिता अपनी बात कहना चाहते हैं, बेटी ऑनलाइन दुनिया में मशगूल है। पति-पत्नी एक ही कमरे में बैठे हैं, मगर बातचीत किसी तीसरे माध्यम से हो रही है। घर में चार लोग हैं, चार मोबाइल हैं और चारों की दुनिया अलग-अलग है। कभी बच्चे दादा-दादी से कहानियां सुनकर बड़े होते थे। आज कहानियां मोबाइल सुनाता है और दादा-दादी बच्चों का इंतजार करते रह जाते हैं। तकनीक ने हमें बहुत कुछ दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं, शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और संचार के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति ने जीवन आसान बनाया है, लेकिन सवाल तकनीक के विरोध का नहीं, बल्कि उसके गुलाम बन जाने का है। मोबाइल हमारा सेवक था, हमने उसे अपना मालिक बना लिया। आज सोशल मीडिया पर हजारों मित्र हैं, लेकिन मुसीबत के समय कंधा देने वाला एक मित्र ढूंढना मुश्किल हो जाता है। जन्मदिन पर सैकड़ों शुभकामनाएं आती हैं, मगर बीमारी में हाल पूछने वाले गिने-चुने लोग ही होते हैं।

रिश्तों की सबसे बड़ी जरूरत समय है और आज इंसान के पास समय ही नहीं है। मां-बाप बच्चों को अच्छे स्कूल, अच्छे कपड़े और बेहतर भविष्य देने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन क्या बच्चों को सिर्फ सुविधाएं चाहिए? उन्हें माता-पिता का समय भी चाहिए। उन्हें कोई ऐसा चाहिए जो उनकी बात बिना टोके सुने, उनकी असफलता पर डांटने के बजाय उनका हौसला बढ़ाए। इसी तरह बुजुर्गों को महंगे उपहारों से ज्यादा दो पल का अपनापन चाहिए। याद रखिए, बुजुर्गों को अकेलापन उम्र नहीं, अपनों की व्यस्तता देती है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम ऑनलाइन दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बेचैन रहते हैं, लेकिन घर में किसी अपने की पुकार सुनने में देर कर देते हैं। किसी अनजान व्यक्ति की पोस्ट पर टिप्पणी करने के लिए हमारे पास समय है, मगर पिता की पुरानी कहानी सुनने के लिए समय नहीं। किसी की तस्वीर पर %दिल वाला निशान लगाने में हमें एक सेकंड लगता है, मगर अपने जीवनसाथी की उदासी समझने में कई दिन लग जाते हैं। हमें %लाइक% की संख्या याद रहती है, लेकिन अपनों की आंखों में छिपी उदासी दिखाई नहीं देती।इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि मोबाइल छोड़ दिया जाए या तकनीक से दूरी बना ली जाए। तकनीक आज की जरूरत है और आने वाले समय की ताकत भी। जरूरत केवल इतनी है कि हम तकनीक को अपने जीवन का उद्देश्य न बना लें। बच्चों को मोबाइल देने से पहले उन्हें परिवार के साथ बैठना सिखाएं। बुजुर्गों को आधुनिकता से दूर करने के बजाय उन्हें नई तकनीक से जोड़ें। परिवार में प्रतिदिन कुछ समय ऐसा हो, जब कोई मोबाइल न हो, कोई स्क्रीन न हो, केवल बातचीत हो।सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ बैठकर भोजन करें। बच्चों से पूछें कि उनके मन में क्या चल रहा है। माता-पिता से उनके पुराने दिनों की बात सुनें। जीवनसाथी से बिना किसी काम के बात करें।

छोटी-छोटी कोशिशें ही बड़े रिश्तों को बचाती हैं। हमें यह भी समझना होगा कि आने वाली पीढ़ी हमें देखकर ही सीखेगी। यदि माता-पिता हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से मोबाइल छोड़ने की अपेक्षा कैसे करेंगे?यदि घर में बातचीत की जगह स्क्रीन ले लेगा तो बच्चों में संवेदनाएं कैसे विकसित होंगी? आज आवश्यकता %डिजिटल साक्षरता% के साथ भावनात्मक साक्षरता की भी है।

बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि इंटरनेट पर सही और गलत क्या है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि उन्हें यह सिखाया जाए कि इंसान के दुख को कैसे समझना है, किसी की मदद कैसे करनी है और रिश्तों की कीमत कैसे पहचाननी है।याद रखिए, एक दिन ऐसा भी आएगा जब मोबाइल की बैटरी खत्म होगी, इंटरनेट बंद होगा, सोशल मीडिया पर हलचल थम जाएगी।

उस समय हमारे पास कौन होगा? हजारों ऑनलाइन मित्र या वही अपने, जिन्हें हमने कभी समय दिया था? मशीनें हमारी आवाज सुन सकती हैं, लेकिन हर बार हमारा दर्द नहीं समझ सकतीं। स्क्रीन हमें मनोरंजन दे सकते हैं, लेकिन हर बार अपनापन नहीं दे सकते। दुनिया को मुट्ठी में रखना बड़ी उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अपनों का हाथ थामे रखना उससे भी बड़ी कामयाबी है।आइए, एक संकल्प लें कि हम मोबाइल की स्क्रीन पर जिंदगी तलाशना बंद करेंगे और अपने आसपास के चेहरों पर खुशियां ढूंढेंगे। हमारी जिंदगी की सबसे खूबसूरत यादें किसी मोबाइल की गैलरी में नहीं, बल्कि अपनों के साथ बिताए गए उन पलों में होंगी, जिन्हें हमने कभी कैमरे में कैद नहीं किया। याद रखिए, नेटवर्क कमजोर होने से जिंदगी नहीं रुकती, लेकिन रिश्तों का नेटवर्क टूट जाए तो इंसान भीतर से अकेला हो जाता है।



जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।



समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नही बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका



अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स



द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएँगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

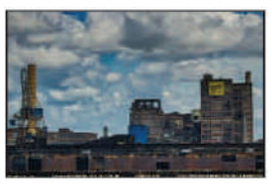

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली



इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम



वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

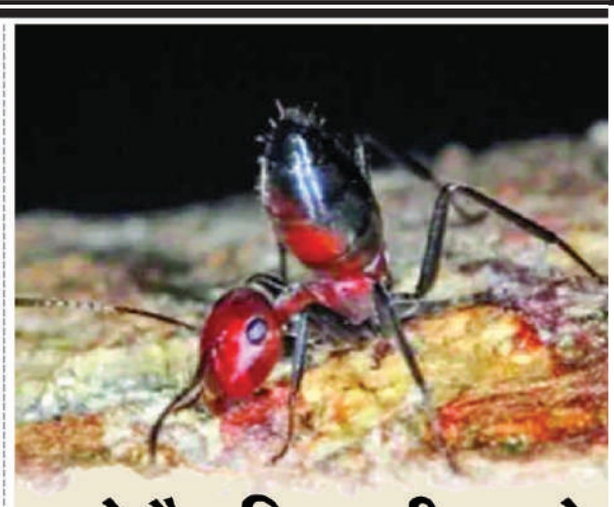

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चीटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चींटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चींटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चींटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चींटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।



बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।



बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

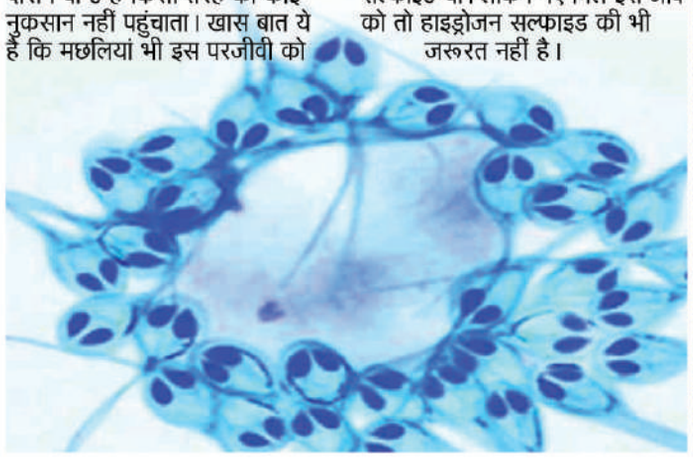



हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



एकता कपूर ने दिया

तान्या मित्तल

के शो पर अपडेट, कहा- हम भूले नहीं हैं

टेलीविजन की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इस वक्त अपने नए सीरियल को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. एकता गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या के साथ शो लाई हैं, जिसका नाम दिल की बेवफाइयां हैं. 24 नवंबर से सीरियल स्टार प्लस और डिज्नी हॉटस्टार पर रात 9 बजे प्रसारित होता है. इस बीच एकता कपूर ने इंस्टाग्राम लाइव किया, जिसमें तान्या मित्तल के साथ काम करने को लेकर बड़ा अपडेट दिया है.उन्होंने साफ कर दिया है कि 'बिग बॉस 19' की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल के साथ उनका शो अभी भी बन रहा है. यानी ऐसा बिल्कुल नहीं है कि एकता कपूर ने तान्या को दिया हुआ ऑफर भुला दिया है. इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही तान्या के शो पर काम शुरू करने वाली हैं. एकता के इस बयान के बाद उन अटकलों पर विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि शायद यह प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया है.



तान्या के साथ शो को लेकर क्या बोलीं एकता कपूर?

एकता कपूर ने लाइव में कहा कि- 'मैं आपसे यह कहना चाहूंगी कि मैं जल्द ही तान्या मित्तल का शो शुरू करने वाली हूं. ये कुछ ऐसा होगा जिसकी लोगों को उम्मीद नहीं है, तो हमारे तान्या मित्तल वाले शो का इंतजार कीजिए. ऐसा नहीं है कि हम भूल गए हैं. कोई भी मीडिया पेज इस बात को लेकर बच नहीं पाएगा.'

बिग बॉस में तान्या मित्तल को दिया था ऑफर

तान्या मित्तल एकता कपूर ने 'बिग बॉस 19' में उनके साथ काम करने का ऑफर दिया था, जिसे तान्या ने एक्सेप्ट भी किया था. इसके बाद बिग बॉस के घर से बाहर आने पर भी एकता ने तान्या को अपना ऑफर याद दिलाया था. फरवरी 2026 में तान्या ने एकता के साथ वीडियो शेयर किया था, जिसमें प्रोड्यूसर ने बताया था कि वह उन्हें लिखित ऑफर भी दे चुकी हैं और साथ काम करने का इंतजार कर रही हैं.

क्या था वो सवाल, जिसका सही जवाब जानते हुए भी 7 करोड़ जीतने से चूक गए भूषण ठाकरे?



अमिताभ बच्चन के क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के पहले करोड़पति बने भूषण ठाकरे ने शानदार खेल दिखाते हुए 1 करोड़ रुपये तो जीत लिए, लेकिन 7 करोड़ रुपये के जैकपॉट सवाल पर वे चूक गए. दिलचस्प बात ये है कि भूषण ने सुरक्षित खेलने के लिए शो से क्विट करने का फैसला लिया, लेकिन खेल छोड़ने के बाद जब उन्होंने सवाल का जवाब बताया, तो वह बिल्कुल सही निकला.अमिताभ बच्चन ने भूषण के सामने 7 करोड़ रुपये के लिए 16वां और आखिरी सवाल रखा, जो भारत के भाषाई इतिहास और ब्रिटिश भारत में हुए सर्वेक्षण से जुड़ा था. सवाल था, किस अंग्रेजी शहर से जॉर्ज ए. ग्रियर्सन ने तीन दशकों तक ब्रिटिश भारत में 20 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 179 भाषाओं और 544 बोलियों का सर्वेक्षण संकलित किया था?

भूषण ठाकरे ने किया क्विट

इसके विकल्प थे, हैरिस, ग्रॉसम, ऑक्सफोर्ड और कैम्बरली. 1 करोड़ की रकम दांव पर होने और गलत जवाब देने पर नुकसान के डर से भूषण ने जोखिम न उठाते हुए क्विट करना बेहतर समझा. दरअसल, 1 करोड़ जीतने के बाद भी भूषण के पास फिफ्टी-फिफ्टी की एक लाइफलाइन थी, लेकिन केबीसी के नियमों के मुताबिक 7 करोड़ के सवाल के लिए किसी भी लाइफलाइन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. ऐसे में उन्होंने क्विट करने का फैसला किया.

क्विट करने के बाद दिया सही जवाब

1 करोड़ रुपये पर खेल छोड़ने के बाद जब अमिताभ बच्चन ने उनसे सवाल का जवाब पूछा, तो भूषण ने 'कैम्बरली' बताया. स्क्रीन पर भी सही जवाब 'कैम्बरली' ही आया. यानी भूषण को सही जवाब तो पता था, लेकिन सुरक्षा के लिए लिया गया फैसला उन्हें 7 करोड़ रुपये की रकम से दूर ले गया. उनका जवाब सुनकर अमिताभ बच्चन भी दंग रह गए.

भूषण के मुरीद हुए अमिताभ बच्चन

भूषण के खेल और सादगी से अमिताभ बच्चन बेहद प्रभावित नजर आए. उन्होंने भूषण की तारीफ करते हुए कहा कि वे सच में अद्भुत हैं. बिग बी ने ये भी कहा कि उन्हें लगता है कि भविष्य में शायद ही उन्हें भूषण जैसे इंसान से मिलने का मौका मिले. महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले 28 वर्षीय भूषण PSC की तैयारी कर रहे हैं. कभी महज 24 रुपये लेकर मुंबई पहुंचे भूषण के पिता मजदूरी करते हैं और मां की सेहत भी अक्सर नाजुक रहती है.

'बिहार का ब्रैड पिट' या 'माइकलाल जैक्सन'? माधुरी दीक्षित ने वायरल निकनेम पर ली चुटकी, तो रवि किशन ने दिया दिल जीतने वाला जवाब



सोनी मराठी के लोकप्रिय क्विज शो 'कोण होणार करोडपती' के मंच पर इस वीकेंड मनोरंजन और ठहाकों का जबरदस्त तड़का लगने वाला है. शो की होस्ट माधुरी दीक्षित के सामने इस बार हॉट सीट पर एक्टर रवि किशन नजर आएंगे. आमतौर पर क्विज राउंड्स के बीच अपनी बातों से मेहमानों का दिल खोल देने वाली माधुरी ने इस खास एपिसोड में सोशल मीडिया पर वायरल रवि किशन के मजेदार निकनेम को लेकर जमकर चुटकी ली.पिछले कुछ समय से इंटरनेट की दुनिया में रवि किशन का एक अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है और फैंस उन्हें प्यार से तरह-तरह के नाम दे रहे हैं. एपिसोड के दौरान माधुरी दीक्षित ने मुस्कुराते हुए रवि किशन से सवाल किया, नेशनल क्रश, बिहार का ब्रैड पिट या फिर माइकलाल जैक्सन.. इनमें से आपको कौन-सा नाम सबसे ज्यादा पसंद है?

महज तीन महीने में Gen Z ने मुझे सेंसेशन बना दिया...

माधुरी के इस सवाल पर रवि किशन ने बताया कि उनके लिए सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि आज की युवा पीढ़ी ने उन्हें कितनी तेजी से अपनाया है. उनके डांस मूव्स, चेहरे के एक्सप्रेशंस और मनी फॉलोज, माय ब्रदर जैसे डायलॉग्स पर धड़ल्ले से इंस्टाग्राम रील्स बन रही हैं. इतना ही नहीं, फैंस उनके पुराने इंटरव्यू भी ढूंढ-ढूंढकर निकाल रहे हैं ताकि उन पर नए मीम्स बनाए जा सकें.

माधुरी से बातचीत में रवि किशन ने कहा, महज तीन महीने के अंदर तद्गट्ठ ने मुझे इंटरनेट सेंसेशन बना दिया. इसके बाद जैसे ही रवि ने रात में बिस्तर पर लेटकर रील देखने का जिक्र करते हुए अपनी बात आगे बढ़ानी चाही, हैरान माधुरी दीक्षित ने बीच में ही टोकते हुए मजेदार सवाल दाग दिया, क्या? आप रात में अपनी ही रील्स देखते हैं? माधुरी के इस चुटीले अंदाज ने सेट का माहौल और भी खुशनुमा बना दिया.

निकनेम चुनने की बारी आई तो रवि ने दिया दिल जीतने वाला जवाब

जब बात किसी एक निकनेम को चुनने की आई, तो रवि किशन ने इसका फैसला अपने फैंस के प्यार पर ही छोड़ दिया. उन्होंने कहा कि चाहे लोग उनके डांस में माइकल जैक्सन की झलक देखें या फिर उन्हें बिहार का ब्रैड पिट कहें, वो इन सभी नामों को दर्शकों का अपनापन और स्नेह मानते हैं. रवि किशन ने बेहद सादगी से कहा, मैं सिर्फ रवि किशन हूं. उन्होंने आगे जोड़ा कि फैंस उन्हें चाहे जो भी नाम दे दें, वो हमेशा उनके अपने रवि किशन ही रहेंगे. उनका ये जवाब सुनकर खुद माधुरी दीक्षित भी कायल हो गईं और उनके मुंह से वाह! निकल पड़ा. माधुरी और रवि किशन की इस मजेदार जुगलबंदी वाला ये एपिसोड इस वीकेंड रात 9 बजे सोनी मराठी और सोनी लिव पर प्रसारित होगा.

'रामायण' की सफलता का जश्न, गुरुपर्व पर बंगला साहिब पहुंचे रणबीर कपूर-नितेश तिवारी, टेका मत्था

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी स्टारर फिल्म 'रामायण- पार्ट 1' बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के नए कीर्तिमान रच रही है. 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई ये फिल्म अब तक की 5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की कतार में शामिल हो चुकी है. इस ऐतिहासिक सफलता के बीच फिल्म की मुख्य क्रिएटिव टीम, एक्टर रणबीर कपूर, निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी ने गुरुपर्व के पावन अवसर पर नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में मत्था टेका.रणबीर कपूर, नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी गुरुद्वारा बंगला साहिब पहुंचे. गुरुपर्व के खास दिन वहां हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी और भक्तिमय माहौल के बीच तीनों ने अरदास की. उन्होंने दुनियाभर के दर्शकों से फिल्म को मिल रहे बेशुमार प्यार के लिए आभार जताया और फिल्म की आगे की यात्रा व पूरी टीम की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा.

केसरी पटका बांधे दिखे रणबीर कपूर

सिर पर केसरी पटका बांधे रणबीर कपूर हल्के नीले कुर्ते और नेहरू जैकेट में नजर आए, तो नमित मल्होत्रा क्रीम कुर्ते-पायजामे और नितेश तिवारी कैजुअल शर्ट-जींस में दिखे. गुरुद्वारा बंगला साहिब की इमारत पर अंकित पावन गुरबाणी श्लोक 'श्री हरिकृष्ण ध्याइए जिस डिठे सब दुख जाए' के ठीक नीचे खड़े होकर तीनों ने तस्वीरें खिंचवाईं और अंदर दरबार में श्रद्धा के साथ मत्था टेका.

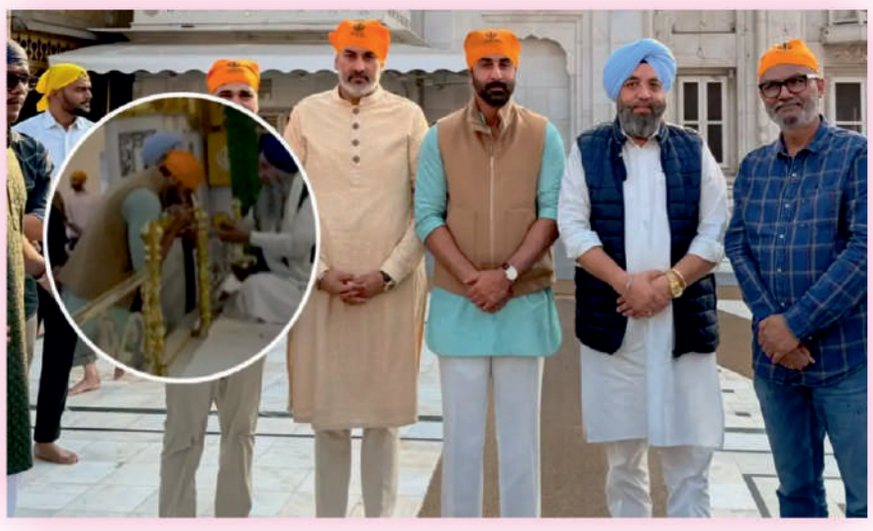

बॉक्स ऑफिस पर 'रामायण: पार्ट 1' की ऐतिहासिक दौड़

नितेश तिवारी के निर्देशन और नमित मल्होत्रा व यश के निर्माण में बनी 'रामायण- पार्ट 1' ने रिलीज के पहले दिन से ही देश और विदेश के सिनेमाघरों में जबरदस्त पकड़ बना रखी है. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, साई पल्लवी माता सीता और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आ रहे हैं. फिल्म की भव्यता, भावनात्मक गहराई और ए. आर. रहमान व हंस जिमर की जोड़ी के संगीत ने परिवारों और सिनेमा प्रेमियों को खासा प्रभावित किया है. यही वजह है कि फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार करते हुए कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं.

रणबीर कपूर, नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी के लिए 'रामायण' महज एक फिल्म नहीं, बल्कि सालों के जुनून, समर्पण और कड़ी मेहनत का नतीजा है. जब दुनियाभर में दर्शकों ने इस महागाथा को स्वीकार किया, तो मेकर्स ने ऊपरवाले का शुक्रिया अदा करने के लिए गुरुपर्व के दिन गुरुद्वारा बंगला साहिब जाकर मत्था टेकने का फैसला किया.

रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी और नेपोली के बीच मैच ड्रॉ



मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग के मुकाबले में नेपोली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रेयान चेर्की के 86वें मिनट में किए गए गोल से सिटी घर में हार से बच सकी। सिटी इस मैच में दो बार पिछड़ी, लेकिन दोनों बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इस ड्रॉ से सिटी की हालिया खराब फॉर्म को लेकर चिंता कम नहीं हुई है। टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले सात मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। मेजबान टीम ने अटैकिंग अंदाज में शुरुआत की। इलियट एंडरसन ने शुरुआती दो मिनट में ही नेपोली के गोलकीपर वांजा मिलिंकोविक-सैविक को परखा। इसके बाद निको ओ'रेली का हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। शुरुआती दबाव के बाद नेपोली ने धीरे-धीरे मैच में पकड़ बनाई। सिटी के पूर्व मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने मेहमान टीम के अटैक को संभाला। हाफटाइम से ठीक पहले सैम बेउकेमा के हेडर को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने शानदार सेव कर बचा लिया। 55वें मिनट में नेपोली ने बढ़त बना ली। रैसमस होजलुंड ने मार्क गुएही को पीछे छोड़ते हुए दमदार लो शॉट से डोनारुम्मा को छकाया। सिटी के कोच ने जेरेमी डोकू को मैदान में उतारा और इसका फौरन फायदा मिला। डोकू के बनाए मौके पर अय्यूब बौआदी ने 66वें मिनट में सिटी के लिए अपना पहला गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, 10 मिनट बाद ही नेपोली ने फिर बढ़त ले ली। लियोनार्डो स्पिनाजोला के क्रॉस पर नोआ लैंग ने शानदार वॉली मारी, जिस पर डोनारुम्मा के पास कोई मौका नहीं था। 79वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल का शॉट वुडवर्क से टकरा गया, लेकिन आखिरकार 86वें मिनट में चेर्की ने शानदार फिनिश करते हुए सिटी को 2-2 की बराबरी दिला दी। देर से मिले गोल ने सिटी को घर में हार से तो बचा लिया, लेकिन शुरुआती दबदबे को जीत में न बदल पाना उनकी लगातार जारी मुश्किलों को दिखाता है।

सुपर 90: चौथा सीजन अगले माह, 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे

नैरोबी । पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने-माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रेंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशः मेरू थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे। श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे। टूर्नामेंट में कई और जाने-माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं, जो हिस्सा लेने वाली टीमों में और गहराई और अनुभव जोड़ेंगे। शुरुआती मैच में पंजाब टाइटन्स का मुकाबला 3 दिसंबर को नैरोबी जिमखाना क्रिकेट क्लब में दिल्ली रॉयल्स से होगा। नैरोबी लायंस का मुकाबला 4 दिसंबर को लंदन जायंट्स से होगा, जबकि दिल्ली रॉयल्स उसी दिन बाद में हरियाणा वॉरियर्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी लंदन जायंट्स का मुकाबला 5 दिसंबर को एल्डोरेट टाइगर्स से होगा, जबकि मेरू थंडर्स उसी दिन पंजाब टाइटन्स के खिलाफ अपने कैप्टन की शुरुआत करेगी।

हेनरी बोले- डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं

नई दिल्ली । भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'



उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया। जैकब डफी का नाम न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन गेंदबाजों के तौर पर लिया जाता है। दाएं हाथ का मध्यम गति का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट में 26, 27 वनडे में 49 और 52 टी20 में 67 विकेट ले चुका है। न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में डफी से वेलिंगटन वाले प्रदर्शन को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी के तूफानी दोहरे शतक की दुनियाभर में चर्चा, हिल गई रिकार्ड बुक

नई दिल्ली । 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।

यह मुकाबला विजय हजारे ट्रॉफी में खेला गया था। वहीं, ईशान किशन इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में झारखंड के कप्तान के तौर पर महज 33 गेंदों में कर्नाटक के विरुद्ध शतक पूरा किया था।



यूएई के खिलाफ मुकाबले के दौरान वैभव ने सातवें ओवर की सभी गेंदों पर बाउंड्री लगाई। इस दौरान 6, 4, 4, 6, 6, 4 के साथ कुल 30 रन कूट दिए।इसके बाद वैभव ने महज 40 गेंदों में सबसे तेज 150 रनों का आंकड़ा छुआ। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वैभव ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, उन्होंने साल 2025 में बिहार की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 59 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 64 गेंदों (साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, 2015) में ऐसा किया था।

वैभव की रिकार्ड पारी में युवराज की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग...ब्रुक और रूट की बादशाहत बरकरार



भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा

नई दिल्ली । आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।



दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।

वॉर्नर ने भी कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल: नीलामी में दिखेगा 'जूनियर सहवाग' का जलवा!

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर सामने आई है। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन यानी 2027 में एक बार फिर 'सहवाग' सरनेम की गूंज सुनाई दे सकती है। पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आखिरी बार साल 2015 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल खेला था। अब करीब 12 साल बाद उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने आईपीएल 2027 प्लेयर ऑक्शन की सूची में अपना नाम रजिस्टर कराकर फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं। हालांकि, इस लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम गायब है। पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने इस साल नीलामी में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

आर्यवीर सहवाग ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हाल ही में संपन्न हुए अंडर-19 एशिया कप 2026 में उनके धमाकेदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। दोहा में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारत की अंडर-19 टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर खिताब जीता था। इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी के लिए आर्यवीर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।

गोवा में सजेगा बाजार, दांव पर होंगे 296 करोड़ रुपये

आईपीएल 2027 का प्लेयर ऑक्शन आगामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा। नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस सूची में 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, फ्रेंचाइजी के पास खर्च करने के लिए करीब 296 करोड़ रुपये का पर्स उपलब्ध होगा। युवा प्रतिभाओं के साथ-साथ दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी इस नीलामी के लिए अपना नाम भेजा है। हालांकि, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बाद अब 1220 खिलाड़ियों में से गिने चुने या यूं कहें 300 से 500 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे, जो 16 दिसंबर को होने वाले ऑक्शन में उतरेंगे।



बेन स्टोक्स और डेविड वॉर्नर की 2 करोड़ के ब्रैकेट में वापसी

अंतरराष्ट्रीय सितारों की बात करें तो इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2 करोड़ रुपये के उच्चतम बेस प्राइस में खुद को रजिस्टर किया है। 35 वर्षीय स्टोक्स ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल खेले थे। अब तक के अपने आईपीएल करियर में स्टोक्स ने राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए 45 मैचों में 935 रन बनाए हैं और 28 विकेट झटके हैं। भारतीय खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान और दीपक चाहर ने भी खुद को दो करोड़ के शीर्ष ब्रैकेट में रखा है।

ईशांत शर्मा और नीतीश राणा भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची मेंनीलामी के लिए जारी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और बल्लेबाज नीतीश राणा के नाम भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं और आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव रखते हैं। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने पिछले पांच साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है तो उसे नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी की श्रेणी में रखा जाता है।इसी नियम के कारण ईशांत और नीतीश को अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों का बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा गया है। इनके अलावा भारत के मनदीप सिंह, मयंक मार्कंडेय, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

बोलैंड-रिचर्डसन ने कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल 2027 की नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और झाय रिचर्डसन ने भी अपना नाम दर्ज कराया है, हालांकि दोनों की उपलब्धता सीमित रहने वाली है। बोलैंड ने 2016 में आईपीएल के सिर्फ दो मैच खेले थे। उनका बेस प्राइस एक करोड़ रुपये है, लेकिन माना जा रहा है कि वह इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं, रिचर्डसन को पंजाब किंग्स ने 2021 सीजन से पहले 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अधिकतम दो करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि, वह पूरे सीजन के बजाय सिर्फ आधे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेवॉन-जॉन जैकब्स ने भी नीलामी के लिए अपना नाम दिया है, लेकिन वह टूर्नामेंट के सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स 80 प्रतिशत लीग के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं, मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2027 के लिए अपना नाम उपलब्ध नहीं कराया है। ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड भी इस सीजन की नीलामी के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

अन्य युवा सितारे भी ऑक्शन के मैदान में

आर्यवीर अकेले अंडर-19 स्टार नहीं हैं जो इस नीलामी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने भी ऑक्शन के लिए अपना नाम दिया है। इसके अलावा अंडर-19 टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ी काव्य पटेल और मनल चौहान भी नीलामी में उतरेंगे। इन सभी युवा भारतीय खिलाड़ियों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखा गया है। दूसरी तरफ, अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और अन्वय द्रविड़ ने खुद को इस ऑक्शन से अलग रखा है।

शतरंज विश्व चैंपियनशिप



समय के दबाव में भी डटे रहे गुकेश, सिंदारोव के साथ पहला मैच ड्रॉ, 38 चालों तक चली जंग

जिनेवा। विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2026 की शुरुआत भारतीय ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ड्रॉ के साथ की। चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोक दिया। सफेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ गुकेश ने काले मोहरों से मुकाबला किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 38 चालों तक चला और तीन बार एक जैसी स्थिति बनने के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

मुकाबले में गुकेश ने रुई लोपेज-बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया। सिंदारोव इस ओपनिंग के लिए अच्छी तैयारी के साथ उतरे थे। उन्होंने तेजी से चालें चलीं और बर्लिन डिफेंस की एक अलग रणनीति अपनाई। उनकी तैयारी साल 2020 में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना और वेस्ली सो के बीच खेले गए मुकाबले पर आधारित थी, जिसमें कारुआना ने सफेद मोहरों से जीत हासिल की थी।

हालांकि, गुकेश ने अपनी चालों से मुकाबले को संतुलित बनाए रखने की कोशिश की। सिंदारोव की 13वीं चाल एनई4 के जवाब में गुकेश ने बीडी7 खेला। इसके बाद सिंदारोव ने 14वीं चाल में सी4 खेली, जिस पर गुकेश ने ए5 से जवाब दिया। मुकाबले के दौरान गुकेश को समय के दबाव का सामना करना पड़ा। 17वीं चाल पर सिंदारोव के बी3 खेलने के बाद गुकेश ने बीबी4 की चाल चली। इस चाल से उन्होंने डी2 पर मौजूद सफेद खिलाड़ी के रूक को निशाना बनाया। इस चाल को चलने में गुकेश ने करीब 36 मिनट लगाए।

इसके बाद 22वीं चाल पर सिंदारोव ने 20 मिनट सोचने के बाद एनई1 खेला। दोनों खिलाड़ियों के बीच इसके बाद कई मोहरों की अदला-बदली हुई। आखिरकार मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस दौरान सिंदारोव को गलत तरीके से ड्रॉ का दावा करने के कारण घड़ी पर समय का जुर्माना भी झेलना पड़ा।

असम में डीआईजी और एसएसपी में जमकर हुई मारपीट

● सीएम ने पल्ला झाड़ा कहा- ये आपस का मामला है

कोकराझार, एजेंसी। असम के कोकराझार जिले में देर रात आयोजित एक पार्टी के दौरान दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के बीच विवाद मारपीट तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में कोकराझार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अक्षत गर्ग घायल हो गए हैं। इस मामले पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे निजी विवाद बताया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना पिछले वीकेंड की है। कोकराझार के सराईखोला स्थित सातवीं असम पुलिस बटालियन परिसर में अक्षत गर्ग ने एक पार्टी का आयोजन किया था। इसी दौरान अक्षत गर्ग और वेस्टर्न रेंज के डीआईजी वाईटी ग्यात्सो के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों अधिकारियों के बीच हाथापाई हो गई, जिसमें एसएसपी अक्षत गर्ग को कई चोटें आईं। हालांकि, असम पुलिस मुख्यालय ने अभी तक इस कथित घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही इस संबंध में कोई बयान जारी किया है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और पार्टी में मौजूद अन्य लोगों की क्या भूमिका थी, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें घटना की जानकारी है, लेकिन यह एक निजी पार्टी में हुआ विवाद था और उस समय दोनों अधिकारी ड्यूटी पर नहीं थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह घटना ड्यूटी के दौरान हुई होती तो सरकार हस्तक्षेप करती और जरूरी कदम उठाती, लेकिन निजी मामले में सरकार कुछ नहीं कह सकती।

दलाई लामा को लुटियंस दिल्ली में सरकारी बंगला

● विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर किया आवंटन, तिब्बती नेतृत्व ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को राजधानी दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में सरकारी आवास आवंटित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर दलाई लामा के कार्यालय 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को पंडित रविशंकर शुक्ला लेन स्थित टाइप-7 सरकारी बंगला आवंटित किया है। हालांकि, इस संबंध में मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी आवास का आवंटन आम तौर पर तीन वर्ष के लिए किया जाता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी अवधि बढ़ाने का प्रावधान भी होता है। इस आवास से दलाई लामा के दिल्ली दौरों के दौरान उनके ठहरने के लिए एक स्थायी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। संसद की स्पीकर डोलमा त्सेरिंग ने इसे अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इससे दलाई लामा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आना और यहां ठहरना अधिक सुविधाजनक होगा। निर्वासित तिब्बती संसद की स्थायी समिति के सदस्य चोदक ग्यात्सो ने भी फैसले को सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा कि तिब्बतियों के पास अपना देश नहीं होने के दौर में भारत ने उन्हें शरण दी और धर्मशाला में बसने, स्कूल तथा अन्य संस्थान स्थापित करने में सहयोग किया। उनके मुताबिक, इन संस्थानों ने तिब्बती संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



मणिपुर में केसीपी से जुड़े पांच उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में सुरक्षा बलों ने पिछले दो दिनों में अलग-अलग अभियानों के दौरान प्रतिबंधित संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) से जुड़े पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस कमांडो और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने सोमवार को पटसोई थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

बीजेपी-अकाली दल गठबंधन को सचिन पायलट ने बताया, हताशा का गठबंधन

-कहा- दोनों दलों के अलग होने के कारण आज तक स्पष्ट नहीं, जनता तय करेगी बेहतर विकल्प

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के फिर साथ आने पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब मामलों के प्रभारी सचिन पायलट ने दोनों दलों के गठबंधन को 'हताशा का गठबंधन' बताया। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में दोनों दलों के लिए राजनीतिक जगह नहीं बची है।



भाजपा और अकाली दल ने मंगलवार को गठबंधन की घोषणा की थी। छह साल बाद शिअद की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि गठबंधन में मुख्यमंत्री पद शिरोमणि अकाली दल के पास रहेगा और वह 'बड़े भाई' की भूमिका में होगा।

पायलट ने कहा कि यह समझौता और हताशा का गठबंधन है, क्योंकि दोनों दलों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि छह साल पहले वे किन कारणों से अलग हुए थे। उन्होंने सवाल किया कि वे कौन से कारण थे, जिनकी वजह से भाजपा और शिअद ने अपना पुराना गठबंधन तोड़ा था।

उन्होंने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कोई गारंटी दी है और क्या तीन कृषि कानूनों को लेकर माफी मांगी गई है। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली की सीमाओं पर जान गंवाने वाले किसानों के प्रति अकाली दल के रुख पर भी सवाल उठाया।

पायलट ने कहा कि दोनों दलों का फिर साथ आना उनकी अपनी पसंद है और जनता ही तय करेगी कि उसके लिए बेहतर विकल्प कौन है। गौरतलब है कि शिअद ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। बाद में केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे।

सेना पर हमले की थी साजिश में आतंकी वांटेड उजैद गिरफ्तार

● बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ाने का था प्लान

मेरठ, एजेंसी। यहां एक बड़ी कार्रवाई के तहत जम्मू-कश्मीर से वांटेड संदिग्ध आतंकी उजैद को स्वॉट टीम ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर उजैद और उसके साथी किशोरों को आत्मघाती आतंकी (फिदायीन) बनाने का मॉड्यूल चला रहे थे। इनका मकसद जम्मू-कश्मीर में आर्मी कैंपों और आर्मी काफिले पर उरी और पुलवामा जैसे बड़े हमले करना था। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बनियापाड़ा, कोतवाली मेरठ निवासी उजैद की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि वह फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली एक्सप्लोसिव जैकेट लेने के लिए गुरैज वैली के रास्ते पाकिस्तान में ट्रेनिंग के लिए जाने वाला था। उजैद उसी आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था जिसका खुलासा पिछले साल नवंबर में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया था। उस दौरान साजिद नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उजैद पिछले 10 माह से फरार चल रहा था। उजैद और साजिद सहित कुछ युवक सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर और आईएसआई एजेंट के संपर्क में आए थे। इन्हें किशोरों को आत्मघाती हमलों के लिए तैयार करने और आतंकी मॉड्यूल में शामिल करने का टास्क दिया गया था। पकड़ा गया उजैद पाकिस्तानी आतंकी मौलाना मसूद अजहर, तारिक मसूद और डॉ इशरार का प्रशंसक था और उनके वीडियो देखता था। इन्हीं वीडियो पर कमेंट करने के दौरान वह पाकिस्तानी हैंडलर की नजर में आया। इंस्टाग्राम, सेशन ऐप और सिग्नल ऐप पर 'ट्यूशन-40' और 'ब्रिगेड' नाम से ग्रुप बनाकर उजैद और अन्य को जोड़ा गया था। इन ग्रुपों में पीओके से आतंकी अमीर हमजा, पाकिस्तान के पंजाब से अबू मुसाब और पीओके से फुरकान व कामरान जैसे कई आईएसआई एजेंट जुड़े थे। इन ऐप्स पर बने ग्रुपों में ही हमलों की योजना बनाई गई थी। सेशन ऐप पर बने 'ब्रिगेड' ग्रुप में साजिद ने लिखा था कि वह बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ा देगा, और 100 प्रतिशत देगा। दूसरे साथी द्वारा जैकेट के बारे में पूछने पर पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर ने जवाब दिया था कि वे इसे घर में ही बना लेंगे।

सीजेपी नेता सौरभ दास की विदेश यात्रा पर रोक

● दीपके की फॉड सलाह पर छिड़ा विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कम्पैक्ट जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास को विदेश यात्रा से रोके जाने पर विवाद गहरा गया है। इस घटना के बाद पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सरकार पर तंज कसते हुए दास को कोई बड़ा फ्रॉड करने की सलाह दे डाली, ताकि उन्हें भी नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों की तरह देश से बाहर जाने दिया जाए। दीपके ने दास के पासपोर्ट पर उठ रहे सवालों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा है। सौरभ दास ने सोमवार को आरोप लगाया था कि उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन के बुलावे पर लंदन जाने से रोका गया है। उन्होंने एक वीडियो साझा कर बताया कि उन्हें पैनल चर्चा और लेक्चर के लिए न्योता मिला था, लेकिन सरकार ने उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया। सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा, विजय माल्या ने 9 हजार करोड़ रुपये का फ्रॉड किया, नीरव मोदी ने 6 हजार 498 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया, और मेहुल चोकसी ने 7 हजार 80 करोड़ रुपये का फॉड किया। इन सभी तीनों को देश छोड़कर भागने दिया गया। सौरभ दास भाई, कोई बड़ा फ्रॉड कर अगर बाहर जाना है तो। उन्होंने इससे पहले भी कहा था कि काश सौरभ ने बैंक लूटा होता या फ्रॉड किया होता, फिर सरकार उसे जरूर लंदन जाने देती। दीपके ने सौरभ दास के पासपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार से सवाल किया। उन्होंने लिखा, सौरभ के पासपोर्ट में गड़बड़ियां? उसका पासपोर्ट तो इसी सरकार ने साल 2019 में जारी किया था। उन्हें 7 साल से कोई गड़बड़ियां नहीं मिली हैं, लेकिन सीजेपी के गठन और सौरभ दास के उसके सबसे बड़े चेहरों में से एक बनने के बाद अचानक मिलने लगीं। उन्होंने यह भी कहा कि दास को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया और बताया गया कि वह भारत से बाहर नहीं जा सकता। दीपके ने प्रश्न किया, एक भारतीय विदेश यात्रा क्यों नहीं कर सकता? क्या वह अपराधी है? दास द्वारा की गई सबसे बड़ी गलती यह है कि उसने कोई घोटाला या धोखाधड़ी नहीं की। दास ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड यूनियन में 1 दिसंबर को था, जिसमें उन्हें और सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह को आमंत्रित किया गया था। छात्रों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय में भी अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई थी।

पश्चिम बंगाल: तेजी से बढ़ा एनसीपीआई का दबदबा, टीएमसी में फिर टूट

कोलकाता , एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों एक नया सियासी समीकरण आकार ले रहा है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कभी मजबूत गढ़ माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में अब नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। इस पार्टी में पहले से ही सायोनी घोष, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय और यूसुफ पठान जैसे चर्चित नेता शामिल हो चुके हैं। तृणमूल के 20 बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद अब पंचायत स्तर पर भी पार्टी का विस्तार हो रहा है।

उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण बंगाल तक कई पंचायत प्रतिनिधियों के पाला बदलने से ममता बनर्जी के सामने संगठनात्मक चुनौती खड़ी हो गई है। इस घटनाक्रम ने जहां टीएमसी के ग्रामीण आधार पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति को लेकर भी नई बहस छेड़ दी है।

इस बदलाव की सबसे अहम बात यह है कि एनसीपीआई कोई पुरानी या बंगाल में मजबूत संगठनात्मक आधार वाली पार्टी नहीं है। यह केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। इसके बावजूद पंचायतों में लगातार हो रहे दलबदल ने उसे राज्य की राजनीति में चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एनसीपीआई का यह उत्थान चौंकाने वाला है, क्योंकि हाल तक पश्चिम बंगाल में इसकी न के बराबर संगठनात्मक उपस्थिति थी। तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में हार के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल का यह सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। इसने बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों को अपनी ओर आकर्षित किया है और कई ग्रामीण निकायों में सत्ता का संतुलन बदल दिया है। ताजा घटनाक्रम में सबसे बड़ा असर उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट संसदीय क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

एनसीपीआई का दावा है कि उसने तृणमूल के कब्जे वाली 13 ग्राम पंचायतों और दो पंचायत समितियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इस इलाके में संदेशखाली और मीनाखान जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां से कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एनसीपीआई में शामिल हुए हैं। मीनाखान पंचायत समिति में 23 सदस्यों में से 13 ने तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया, जिनमें समिति के उपाध्यक्ष भी शामिल हैं। इसी तरह संदेशखाली-द्वितीय पंचायत समिति के 24 सदस्यों में से 17 ने एनसीपीआई का रुख किया है, जबकि संदेशखाली-द्वि की नजात-2 ग्राम पंचायत में 26 में से 19 सदस्य पार्टी छोड़कर चले गए हैं। उत्तर दिनाजपुर जिले की गोलपोखर-द्वितीय पंचायत समिति में भी अध्यक्ष समेत 16 सदस्य एनसीपीआई में शामिल हो गए हैं।



एनसीपीआई का यह विस्तार तृणमूल की चुनावी हार और उसके बाद पार्टी के संसदीय खेमे में हुई टूट के बाद हुआ है। तृणमूल कांग्रेस के 27 लोकसभा सदस्यों में से 20 सदस्य अलग होकर एनसीपीआई में शामिल हो गए थे, साथ ही उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस ने एनसीपीआई को भाजपा के मोहरे के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने कहा, भाजपा अपनी बी-टीम और सी-टीम ला रही है। जो लोग दल बदलकर गए हैं, वे भाजपा के एजेंट हैं। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी आरोप लगाया कि एनसीपीआई का सामने आना, बंगाल में भाजपा के विस्तार को आसान बनाने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

संविधान दिवस पर लखनऊ में कांग्रेस की रैली आज, खड़गे होंगे शामिल

● प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम, आराधना मिश्रा बोलीं—संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प मजबूत करेंगे

लखनऊ,एजेंसी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में कांग्रेस की ओर से रैली और कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इसमें शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम में शामिल होना प्रदेश कांग्रेस के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंच रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे कांग्रेस सड़क से लेकर प्रदेश स्तर तक और मजबूत करेगी। इसी संकल्प के साथ 26 नवंबर को रैली आयोजित की जा रही है। उत्तर प्रदेश में सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर मिश्रा ने कहा कि करीब साढ़े तीन घंटे तक बैठक हुई और बातचीत सकारात्मक रही। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए अच्छी शुरुआत बताया। मिश्रा ने कहा कि गठबंधन को पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा जाएगा और सरकार बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी 30 फीसदी तक बढ़ाएगी केरल सरकार

-महिला अधिकारी मादक पदार्थों के खिलाफ अभियानों में कर रही अच्छा प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम सरकार ने राज्य में अपराध पर लगाम लगाने और जांच प्रक्रिया को तेज करने के लिए पुलिस बल में महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाने का बड़ा ऐलान किया है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने बताया कि सरकार चरणबद्ध भर्ती के जरिए पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी को 30 फीसदी तक बढ़ाएगी। मंत्रिमंडल के फैसले के तहत, भविष्य में होने वाली भर्तियों में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात 7:3 रखा जाएगा। मंत्री ने मलप्पुरम अपराध शाखा इकाई कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिला अधिकारी अपराध का पता लगाने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियानों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। वर्तमान में राज्य भर के 63 थानों में एसएचओ के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही अपराध शाखा और सतर्कता शाखाओं की कार्यकुशलता में सुधार के लिए भी बदलाव किए जाएंगे। गृह मंत्री ने बताया कि अपराध शाखा और सतर्कता विभाग में अब नियुक्तियां पूरी तरह योग्यता के आधार पर की जा रही हैं। जांच में रुचि और दक्षता रखने वाले अधिकारियों का चयन विशेष परीक्षा के जरिए किया जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह परीक्षा पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के परामर्श से तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विशेष शाखाओं का उद्देश्य नियमित पुलिस बल में काम के बोझ के कारण दरकिनार कर दिए गए अधिकारियों को जगह देना नहीं है।

वर्तमान में राज्य में अपराध शाखा फिलहाल 2,763 अहम मामलों की जांच कर रही है, जिनमें 321 मामले अकेले 2026 में दर्ज किए गए हैं। विभाग की प्राथमिकता निर्धारित समयसीमा के भीतर जांच पूरी करना है। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में मादक पदार्थों के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए



शुरू किया गया 'ऑपरेशन तूफान' काफी सफल रहा है और इसके लागू होने के बाद आपराधिक मामलों में 35 फीसदी की कमी आई है। यह कदम राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

अब भारत को न्योता देगा पाकिस्तान, एससीओ बैठक में शरीक होंगे जयशंकर?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में आई तल्खी के बावजूद, दोनों देश एक बार फिर बहुपक्षीय मंच पर संपर्क साधने की तैयारी में हैं। पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत अगले साल की शुरुआत में होने वाली संस्कृति मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत को आमंत्रित करने की तैयारी कर रहा है।

यह बैठक पाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित होगी। भारत इस न्योते पर क्या रुख अपनाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भारत ने हाल ही में नई दिल्ली में एससीओ की पहली सभ्यतागत संवाद बैठक में पाकिस्तान को न्योता दिया था, जिसमें पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक भी शामिल हुए थे। अब पाकिस्तान की ओर से भारत को निमंत्रण भेजा जा रहा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत इस बैठक में किस स्तर पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से किसी भी भारतीय मंत्री ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव आलोक डिमरी ने सितंबर 2025 में



एससीओ के राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था।

संस्कृति मंत्रियों की बैठक को राजनीतिक स्तर पर कम संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि इसमें प्रतिबद्धताएं सीमित होंगी, जबकि विदेश या रक्षा मंत्रियों की बैठकें अधिक राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकती हैं। संस्कृति मंत्रियों की बैठक के बाद, पाकिस्तान एससीओ के विदेश और रक्षा मंत्रियों की उच्चस्तरीय बैठकों के साथ-साथ अगस्त 2026 में राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में आमतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उनका इस्लामाबाद जाना बेहद मुश्किल नजर आता है।

ऐसे में, विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। उन्होंने 2025 में कजाकिस्तान में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की जगह भारत का प्रतिनिधित्व किया था, और अक्टूबर 2024 में भी वे एससीओ की विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए पाकिस्तान गए थे (पहलगाम हमले से पहले)। इससे भारत की संगठन के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी और पाकिस्तान को लेकर उसकी मौजूदा नीति में किसी नरमी का संदेश भी नहीं जाएगा। भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। नई दिल्ली में मुसादिक मलिक की मेजबानी के बाद भारत ने साफ किया था कि सिंधु जल संधि पर उसका रुख नहीं बदला है। भारत का जोर सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर ठोस प्रगति पर है और वह ऐसी किसी भी स्थिति से बचना चाहता है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों के सामान्य होने का संदेश जाए। पाकिस्तान के साथ संबंधों में नरमी की गुंजाइश तभी बन सकती है, जब सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रुख में बुनियादी बदलाव दिखाई दे।

पंजाब में शुक्रवार को ब्लैकआउट, रात 8 बजे बजेगा खतरे का सायरन

● राज्य के सभी जिलों में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

चंडीगढ़, एजेंसी । पंजाब में नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को परखने के लिए 27 नवंबर को रात आठ बजे राज्य के सभी जिलों में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत होने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में प्रशासन और नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों को परखना है। अभ्यास की शुरुआत एयर रेड चेतावनी सायरन से होगी। दो मिनट तक ऊंची और धीमी आवाज वाला सायरन बजाया जाएगा। इसके बाद संबंधित जिलों के उपायुक्त और नागरिक सुरक्षा नियंत्रक चिन्हित क्षेत्रों में सांकेतिक ब्लैकआउट लागू करेंगे। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से गैर-जरूरी रोशनी बंद रखने को कहा गया है। प्रशासन के अनुसार अस्पताल, फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी।

यूपी की 11 सीटों को लेकर सपा-कांग्रेस में घमासान

ये वो सीटें हैं जहां सपा खुद को कमजोर मानती है

लखनऊ, एजेंसी । समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध गहरा गया है। सपा ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है, जिसमें 11 सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं, जहां सपा संगठनात्मक रूप से खुद को अपेक्षाकृत कमजोर मानती है। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, खासकर अमेठी और रायबरेली जैसी पारंपरिक सीटों पर कम हिस्सेदारी को लेकर। सपा के प्रस्ताव में शामिल 20 अतिरिक्त सीटों के क्षेत्रीय बंटवारे पर गौर करें तो, इनमें सबसे अधिक 11 सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं। सपा का मानना है कि इन सीटों पर वह अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। ये सभी सीटें 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीती थीं। इनमें से सात सीटों पर तब राष्ट्रीय लोकदल (रालोद), जो उस समय सपा गठबंधन का हिस्सा था, दूसरे स्थान पर रही थी। दो सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दूसरे स्थान पर रही, जबकि दो सीटों पर समाजवादी पार्टी खुद दूसरे स्थान पर रही थी। मध्य यूपी की दो प्रस्तावित सीटों में से बिलग्राम-मल्लावां में सपा दूसरे स्थान पर थी, जबकि गोविंद नगर सीट पर उसे 80,896 वोटों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। पूर्वी यूपी की सातों प्रस्तावित सीटों पर भी 2022 में सपा दूसरे स्थान पर रही थी, हालांकि सभी पर एनडीए के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। इनमें छह सीटें भाजपा ने और एक सीट नानपारा अपना दल (सोनेलाल) ने जीती थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गोरखपुर शहर सीट भी इस सूची में शामिल है। सपा के 26 सीटों के प्रस्ताव से कांग्रेस नेताओं में भारी नाराजगी है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इस प्रस्ताव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सवाल उठाया कि अमेठी और रायबरेली जैसी पारंपरिक सीटों पर पार्टी को केवल एक सीट की पेशकश कैसे की जा सकती है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को केवल 26 सीटों की सूची कैसे दी जा सकती है। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह इस प्रस्ताव पर जल्द ही अपनी औपचारिक प्रतिक्रिया देगी। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को हुई एक बैठक में दोनों दलों के नेताओं के बीच तीखी बहस भी हुई। सीटों के बंटवारे पर बातचीत फिलहाल जारी है। कांग्रेस ने पहले 131 सीटों की मांग रखी थी, जिसे घटाकर 120 कर दिया है, जबकि सपा का प्रस्ताव 26 सीटों पर ही अटका है। ऐसे में दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर सहमति बनना अभी भी दूर की कौड़ी लग रही है।